जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 23 प्रभात जालोर, गुरुवार 1 मई, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मंगलवार को संघ प्रमुख मोहन भागवत प्र.मंत्री मोदी से मिले थे

इस मीटिंग का ही नतीजा माना जा रहा है, ''जातिगत जनगणना'' (कास्ट सैंसस) पर सरकार का निर्णय

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। एलओसी के उस पार बम गिराने के बजाय, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जातिगत जनगणना की घोषणा करके एक दूसरा विस्फोट कर दिया है। राहुल गांधी बार-बार इसकी माँग कर रहे थे तता अपने इस एजेंडा पर बड़े परिश्रम, निष्ठा एवं नियमितता के साथ जोर देते आ रहे थे।

संसद में बोलते हुये, राहुल गांधी ने कहा था कि जातिगत जनगणना की घोषणा करने के लिये नरेन्द्र मोदी की सरकार को बाध्य करेंगे।

यह स्पष्ट नहीं है कि मोदी एंड कम्पनी का यह हृदय -परिवर्तन क्यों और कैसे हुआ, क्योंकि भाजपा और सरकार जातिगत जनगणना का निरंतर विरोध करती आ रही थी, क्योंकि इससे हिन्दू -मुस्लिमों को बाँटने वाला उनका एजेंडा कमजोर होता है।

कल आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की थी, तथा जातिगत जनगणना के इस निर्णय को इन दोनों की कल की मीटिंग के नतीजे के रुप में देखा जा रहा है।

- जैसा कि विदित ही है, गत वर्ष, केरल में हुई आरएसएस कार्यकारिणी की बैठक में, अधिकृत रूप से निर्णय लिया गया था कि संघ, ''जातिगत जनगणना'' के पक्ष में रहेगा।
- राहुल गांधी ने जाति ''जनगणना'' के पक्ष में सरकार का मन बदलवाने का श्रेय न लेकर कहा कि ''जातिगत जनगणना'' की प्रक्रिया का मॉडल तेलंगाना का मॉडल हो, न कि ''जातिगत जनगणना'' का बिहार मॉडल, जिससे सही सवाल, सही तरीके से पूछे जायेंगे तथा जातिगत गणना का पूरा लाभ मिलेगा जनता को।
- राहुल गांधी ने यह भी कहा कि आरक्षण की पचास प्रतिशत की सीमा भी हटायी जाए ताकि ओबीसी, दलित, आदिवासी आदि की प्रगति बाधित न हो।
- राहुल गांधी ने कहा, प्राइवेट शिक्षण संस्थाओं में भी 15 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान अनिवार्य रूप से लागू हो। हालांकि, इसे संवैधानिक अधिकार माना गया है, पर, उसका क्रियान्वयन नहीं हुआ है।
- राहुल गांधी ने यह भी कहा कि उन्हें इस बारे में कोई रुचि नहीं है कि जातिगत जनगणना का निर्णय अचानक क्यों लिया गया है, पर, केवल यह खुशी है कि यह निर्णय लिया गया है।

पिछले वर्ष केरल में हुई कार्यकारिणी की तीन दिन की मीटिंग के बाद, आरएसएस ने यह 'ऑन रिकॉर्ड' कहा था कि वह जातिगत जनगणना के पक्ष में है।

जो भी हो, इस निर्णय का समय अपने आप में बड़ा रुचिकर है। यह एक ऐसा समय है, जब पूरा देश सरकार से यह अपेक्षा कर रहा है कि सरकार पहलगाम में हुई निर्दोष नागरिकों की हत्या की प्रतिक्रिया में पाकिस्तान के खिलाफ कोई कड़ी कार्यवाही करेगी।

राहुल गांधी ने बिल्कुल साफ शब्दों में प्रधानमंत्री से कहा है कि वे पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करें, बिल्कुल भी हिचकिचायें नहीं। राहुल ने कहा कि जिन लोगों ने यह जघन्य अपराध किया है, उन्हें इसका भरपूर जवाब देना ही होगा, क्योंकि भारतवासी इसे बर्दाश्त नही करेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है तथा नरेन्द्र मोदी को अपना पूरा समर्थन दे रहा है, इसलिये मोदी और उनकी सरकार को निर्णायक कार्यवाही करनी ही चाहिये।

पहलगाम हमले के एक सप्ताह बाद, राहुल ने प्रधानमंत्री मोदी को बड़े प्रभावी तरीके से घेरते हुये, उनसे कार्यवाही, बल्कि ऐसी कार्यवाही करने के लिये कहा है जिससे अपराधियों और इस अपराध के षयंत्रकर्ताओं को ऐसा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुष्कर्म पीड़िता को गर्भपात कराने की मंजूरी

जयपुर, 30 अप्रैल। राजस्थान ने अविवाहित दुष्कर्म पीड़िता के 20 सप्ताह के भ्रूण का गर्भपात करवाने की मंजूरी दी है। अदालत ने एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक को निर्देश दिया है कि वे तीन दिन में महिला चिकित्सालय या जनाना अस्पताल में पीड़िता का गर्भपात जरूरी मापदंडों की पालना करवाते हुए सुरक्षित तौर पर कराएं। वहीं, भ्रूण को भविष्य में डीएनए जांच के लिए सुरक्षित रखा जाए। जस्टिस शुभा मेहता ने यह आदेश पीड़िता की मां की याचिका को मंजूर करते हुए दिए।

- अदालत ने एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक को तीन दिन में महिला चिकित्सालय या जनाना अस्पताल में सुरक्षित तौर पर गर्भपात करवाने के निर्देश दिये।

याचिका में अधिवक्ता नगमा बानो ने बताया कि आरोपी ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इससे पीड़िता गर्भवती हो गई। आरोपी ने पीड़िता से शादी करने से मना कर दिया। इस पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया गया। याचिका में कहा गया कि उसकी बेटी वयस्क है और वह दुष्कर्म के कारण गर्भवती हुई है, जिससे उसे मानसिक व शारीरिक आघात लगा है। वह गर्भ को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका की जीडीपी 0.3 प्रतिशत घटी, जबकि, 1 प्रतिशत बढ़ने की आशा थी

ट्रम्प ने इकोनॉमिक गतिविधि में इस कमी को पुराने राष्ट्रपति बाइडन की गलत नीतियों का परिणाम बता कर पीछा छुड़ाया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। ट्रंप का टैरिफ वॉर उब उलटा पड़ रहा है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 2020 के बाद पहली बार गतिविधि घटी है। जानकार पर्यवेक्षकों और अर्थशास्त्रियों का कहना है कि यह वर्तमान प्रशासन द्वारा लगाए गए व्यापक टैरिफ और उससे पैदा हुई अनिश्चितता का असर है।

तथापि, राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में आई गिरावट का उनके टैरिफ कार्यक्रमों से कोई लेना -देना नहीं है। यह केवल ''बाइडन प्रभाव'' से मुक्त होने की प्रक्रिया है।

नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी अर्थव्यवस्था में (-) 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि अधिकांश अर्थशास्त्रियों ने लगभग 1 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था। यद्यपि यह गिरावट बहुत बड़ी नहीं है, फिर भी यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है और मंदी के संकेत दे रही है।

अर्थव्यवस्था में यह गिरावट बहुत छोटी है, लेकिन इसकी प्रारंभिक रिपोर्टों से प्रशासन में घबराहट फैल गई है। डॉनल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पर इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी है और इसके लिए पिछले प्रशासन की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है।

ट्रंप ने कहा है कि जी.डी.पी. में आई गिरावट बाइडन प्रशासन की नीतिगत खामियों का परिणाम है और जी.डी.पी. फिर से बढ़ना शुरु होगी। उन्होने अमेरिकियों से धैर्य रखने और अच्छे दिनों की प्रतीक्षा करने की अपील की है।

ट्रंप ने विश्वास व्यक्त किया है कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था में ''बूम''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, सच यह है कि जीडीपी की गिरावट से ट्रम्प प्रशासन स्तब्ध है तथा राष्ट्रपति ट्रम्प ने कैबिनेट मीटिंग बुलाई है। अमेरिका की जीडीपी घटने के इस घटनाक्रम पर मंथन करने के लिए।
- डॉओ जोन्स इन्डैक्स, जो अमेरिका की आर्थिक स्थिति को परिलक्षित करता है, में 1 % की गिरावट आई है।
- एसएण्डपी इन्डैक्स के अनुसार, भी गिरावट 1.5% है।
- नैसडैक, जो अधिकतर टैक्नोलॉजीकल कम्पनियों की स्थिति दर्शाता है, में 2.2 की गिरावट आई है।
- इसलिए, अब राष्ट्रपति ट्रम्प को समझाना पड़ रहा है कि यह गिरावट टैरिफ में छेड़छाड़ से नहीं, बल्कि पूर्व राष्ट्रपति बाइडन की गलत नीतियों के कारण हुई है।

कांग्रेस ''डैमेज कंट्रोल'' की मुद्रा में आई ट्वीट्स के मसले पर

महासचिव वेणुगोपाल ने चेतावनी दी, पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को, पार्टी के अधिकृत वक्तव्य तक ही सीमित रखें, अपनी प्रतिक्रिया को

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। कांग्रेस के अधिकृत हैंडल से 'एक्स' पर डाली गईं कुछ पार्टी नेताओं की टिप्पणियों तथा सोशल मीडिया पोस्टों की जब भाजपा तथा कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा कड़ी आलोचना की गई तो कांग्रेस बुधवार को डैमेज कन्ट्रोल में जुट गई।

पार्टी ने अपने नेताओं तथा सोशल मीडिया विभागों से कह दिया है कि वे सार्वजनिक बयानों और पोस्टों में अनुशासनपूर्ण रहें'' तथा स्वयं को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पारित प्रस्ताव में ''सी डब्ल्यू सी द्वारा घोषित अधिकृत रुख तक ही सीमित रखें।''

- वेणुगोपाल ने यह चेतावनी दी है कि अगर पार्टी के नेताओं ने इस नीति निर्देश का उल्लंघन किया तो अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी।
- कांग्रेस के प्रवक्ता व नेताओं के पहलगाम की घटना के बाद कई विषैले कमैन्ट्स आ रहे थे, जिसके कारण पार्टी को सोशल मीडिया आदि पर काफी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

कुछ कांग्रेस नेताओं ने पार्टी द्वारा जारी मुँह बंद रखने के आदेश, जिसमें मीडिया में बयान जारी करने से बचने को कहा गया है, पर ध्यान देने से इनकार कर दिया है।

कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल द्वारा मंगलवार रात को जारी किये गये सर्कुलर में कहा गया है, ''पार्टी की ओर से बोलने के लिये अधिकृत किये गये लोग सी डब्ल्यू सी द्वारा घोषित स्थिति तक सीमित रहें। इस निर्देश का किसी प्रकार का उल्लंघन निरपवाद रुप से कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही आमंत्रित करेगा।'' वेणुगोपाल ने पार्टी नेताओं से कहा कि वे सी डब्ल्यू सी के निर्णय का पूरी तरह पालन करें, अन्यथा इसे पार्टी अनुशासन का गंभीर उल्लंघन माना जायेगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सरकार ने बुधवार को एक बड़ा कदम उठाते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन कर रिसर्च एंड एनालाइसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख आलोक जोशी को इसका नया अध्यक्ष नियुक्त किया है।

पुनर्गठित राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सात सदस्यों में कई शीर्ष स्तर के सेना, नौसेना और वायु सेना के अधिकारियों के अलावा भारतीय पुलिस सेवा के शीर्ष अधिकारियों को शामिल किया गया है।

- रॉ के पूर्व चीफ आलोक जोशी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष नियुक्त।

बोर्ड के नए सदस्यों में एयर मार्शल पीएम सिन्हा, लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह, रियर एडमिरल मोंटी खन्ना और भारतीय पुलिस सेवा दो पूर्व अधिकारी - राजीव रंजन वर्मा तथा मनमोहन सिंह शामिल हैं। इसके अलावा, भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी बी वेंकटेश वर्मा को भी सात सदस्यीय बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है।

पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ ते तनाव और देश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अल्ट्रा साउण्ड ट्रेनिंग कोर्स में बाहर के एमबीबीएस से भेदभाव नहीं करें

जयपुर, 30 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने पीसीपीएनडीटी के तहत छह महीने के अल्ट्रासाउंड ट्रेनिंग कोर्स में प्रवेश के लिए प्रदेश के बाहर से एमबीबीएस करने वाले चिकित्सकों के साथ भेदभाव करने से जुड़े मामले में याचिकाकर्ता को पहले राउंड की काउंसलिंग में अंतरिम तौर पर शामिल करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश डॉ. सुप्रिया गुप्ता की याचिका पर दिए।

- हाई कोर्ट ने डॉ. सुप्रिया गुप्ता की याचिका पर काउंसलिंग में उन्हें अंतरिम तौर पर शामिल करने के निर्देश दिये।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि पीसीपीएनडीटी के तहत छह महीने के अल्ट्रासाउंड ट्रेनिंग कोर्स के लिए 22 अप्रैल को नीट पीजी काउंसलिंग बोर्ड ने विज्ञापन जारी कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहलगाम की घटना ने पर्यटकों का बहाव उत्तराखंड व हिमाचल की ओर किया

दोनों राज्य अब ''शांतिपूर्ण गर्मी की छुट्टियाँ'' (पीसफुल समर गैटवे'' तथा ''सेफ फैमिली हिल हॉलिडे' के मंत्र के साथ विज्ञापित कर रहे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। पहलगाम में 24 अप्रेल को हुए आतंकी हमले के बाद पर्यटन पर निर्भर पर्वतीय राज्यों, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में टूरिस्ट इन्क्वायरी और बुकिंग्स में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। घाटी में बढ़ते काउंटर-टैरर ऑपरेशंस और सरकारी एडवाइज़री के बीच, कश्मीर का ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीज़न, विशेष रूप से पहलगाम और गुलमर्ग क्षेत्र में, प्रारंभिक स्तर पर ही प्रभावित होता दिख रहा है।

इसके विपरीत, मसूरी, नैनीताल, ऋषिकेश, मनाली और धर्मशाला के होटल मालिकों और टूर ऑपरेटरों का कहना है कि लास्ट मिनट बुकिंग्स में 15 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। विशेषकर घरेलू पर्यटकों की तरफ से, जिन्होंने पहले कश्मीर यात्रा की योजना बनाई थी।

भीमताल के पास होमस्टे चलाने वाले अरविंद नेगी ने कहा, ''पिछले दो दिनों में हमें दिल्ली और गुजरात से दर्जनों परिवारों के फोन आए हैं जो अपनी कश्मीर यात्रा की जगह अब उत्तराखंड में हॉलिडे बुक करना चाहते हैं। लोग घाटी की स्थिति को लेकर चिंतित हैं और उत्तराखंड उन्हें ज्यादा सुरक्षित लग रहा है।''

हिमाचल के टूर ऑपरेटर भी इसी प्रवृत्ति की पुष्टि कर रहे हैं। मनाली में ट्रैवल एजेंसी चलाने वाले अशोक ठाकुर ने कहा, ''हाल के वर्षों में कश्मीर को अधिक आक्रामक रूप से प्रचारित किया गया है, लेकिन ऐसे घटनाक्रम पर्यटकों का आत्मविश्वास हिला देते हैं। हर बार जब अशांति होती है, हिमाचल और उत्तराखंड को फायदा होता है।''

उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर इस पैटर्न की पुष्टि की और कहा, हम बुजुर्गों और परिवारों के वर्ग में थोड़ी बढ़ोतरी देख रहे हैं। हमारी एडवाइज़री में कोई बदलाव नहीं हुआ है। लेकिन हमारी टीमें मई जून में बढ़ने वाली भीड़ की देखरेख करने के लिए तैयार हैं।

पर्यटक अपनी योजनाएँ बदल रहे हैं। गुरुग्राम के एक आर्किटैक्ट नीरज सक्सेना ने बताया, हम परिवार के साथ मई-जून में कश्मीर जाने वाले थे, पर पहलगाम हमले के बाद हमने अपनी योजना बदल दी। अब हम रानीखेत और कौसानी जाएंगे। बच्चे खुश हैं पहाड़ और नदियां मिलेंगी और हमें भी राहत हैं।

अप्रैल 2024 में कश्मीर के गुलमर्ग, पहलगाम व श्रीनगर में 85 प्रतिशत ऑक्यूपैंसी रेट थी पर इस साल पहलगाम में हमले के बाद बुकिंग्स रद्द हो गई है और ऑक्यूपैंसी रेट 20 प्रतिशत घट कर 65 प्रतिशत रह गई है। असंतोष बढ़ने और ट्रैवल एडवायज़री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अप्रेल 2024 में कश्मीर के टूरिस्ट डैस्टिनेशन, जैसे, गुलमर्ग, पहलगाम व श्रीनगर 85 प्रतिशत ऑक्यूपैंसी बता रहे थे, पर, 24 अप्रेल की घटना के बाद ऑक्यूपैंसी में बीस प्रतिशत की कमी आ गई है।
- दूसरी ओर उत्तराखंड के लोकप्रिय हिल स्टेशन, जैसे, मसूरी, नैनिताल, ऋषिकेश की बुकिंग में अच्छा उछाल आया है तथा 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। गत वर्ष की तुलना में, विशेषकर पारिवारिक व सीनियर सिटीज़न्स की बुकिंग्स में।

'अगली जनगणना ''जातिगत जनगणना'' होगी, केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने निर्णय लिया'

यह सूचना देते हुए, संसदीय मामलों के मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कुछ राज्यों ने ''गैर पारदर्शिता पूर्ण'' तरीके से सर्वे करा कर, समाज में भ्रांतियाँ फैलाने का काम किया है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। आगामी बिहार चुनावों के मद्देनज़र विपक्ष को मात देने की कोशिश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आगामी राष्ट्रीय जनगणना जातिगत आधार पर करवाने का फैसला किया गया है।

सरकार ने बुधवार को यह बड़ी घोषणा की कि आगामी जनगणना में जाति को भी शामिल किया जाएगा और बिल्कुल पारदर्शी तरीके से यह कवायद पूरी की जाएगी। उन्होंने विपक्ष की आलोचना की और कहा कि विपक्षी दल कास्ट सर्वे को राजनैतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे है।

कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल राष्ट्र स्तरीय जातिगत जगनगणना की माँग करते रहे है और इसे एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाते रहे है। बिहार, तेलंगाना व कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों ने तो जातिगत सर्वे करवाए हैं।

सन् 1931 के बाद, यह पहला जातिगत सर्वे होगा, यद्यपि कुछ राज्यों ने हाल ही में ऐसे सर्वे करवाए है। कैबिनेट कमेटी ऑन पॉलिटिक्स अफेयर्स के निर्णय की घोषणा करते हुए केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जनगणना केन्द्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती है, पर कुछ राज्य सरकारों के सर्वे के नाम पर और पारदर्शी तरीके से जनगणना कर समाज में संदेह पैदा किया है।

वैष्णव ने कहा कि आज़ादी के बाद हुई सभी जनगणनाओं में जाति शामिल नहीं थी, कांग्रेस सरकारों ने हमेशा जातिगत जनगणना का विरोध किया और पार्टी ने इस मसले का इस्तेमाल राजनैतिक हथियार के रूप में किया।

वैष्णव ने कहा कि इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और यह सुनिश्चित करते हुए कि सामाजिक ढांचे में राजनीति की वजह से कोई मतभेद पैदा ना हो, केन्द्र सरकार ने जनगणना में जाति को शामिल करने का निर्णय किया है। इससे हमारे समाज का सामाजिक व आर्थिक ढांचा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- वैष्णव के अनुसार, ''जातिगत गणना'' केन्द्रीय सरकार के कार्य क्षेत्र का मामला है, संविधान के अनुसार, अतः केन्द्र सरकार ने विधिवत् ''कास्ट सैंसस'' करने का निर्णय लिया है, जबकि विपक्ष इसे एक राजनीतिक हथियार के रूप में ही काम लेना चाहती थी।
- विधिवत् पारदर्शी तरीके से कराई गई ''जातिगत जनगणना'' से देश का सामाजिक व आर्थिक ढांचा मजबूत होगा। जैसे, आर्थिक आधार पर दिया जा रहा आरक्षण बिना तनाव के देवी लाल के समय में स्वीकार हो गया था।
- कांग्रेस ने अपने शासनकाल में सदा ''कास्ट सैंसस'' का विरोध किया था, कई सारे मौके आए, पर, जैसे ही प्र.मंत्री मनमोहन सिंह के शासन के समय 2010 में जनगणना का समय आया, मनमोहन सिंह की सरकार ''कास्ट सैंसस'' के मसले को टाल गई।

हाई कोर्ट ने तलाकशुदा पुत्री को फैमिली पेंशन के आदेश दिये

जयपुर, 30 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वह स्कूल व्याख्याता और उसकी पत्नी की मौत के बाद, उनकी तलाकशुदा पुत्री को इस वर्ग में तत्काल फैमिली पेंशन जारी करे। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को जवाब पेश करने करने के लिए समय दिया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश सुमन की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

- पुत्री तलाक के बाद 1979 से माता-पिता के साथ रह रही थी।

याचिका में अधिवक्ता शिवा नागर ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के पिता स्कूल व्याख्याता के तौर पर अजमेर में कार्यरत थे। इस पद पर रहने के दौरान उनका अक्टूबर,1987 में निधन हो गया। इस पर राज्य सरकार ने याचिकाकर्ता की मां को फैमिली पेंशन जारी कर दी। वहीं, जनवरी, 2017 में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

विश्व बैंक ने लगाई मुहर : मोदी ने भेदा गरीबी के चक्रव्यूह का मायाजाल

सीमावर्ती क्षेत्रों में भारी तनाव और युद्ध की आशंकाओं के बादल मंडराने के मध्य भारत में गरीबी के मोर्चे पर वर्ल्ड बैंक से एक अच्छी खबर आई है। देश में गरीबी तेजी से घट रही है और इससे आंकड़ों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। वर्ल्ड बैंक की इस ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने पिछले दस साल में गरीबी को कम करने में बड़ी सफलता हासिल की है। यह भी कहा जा सकता है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दस सालाना मेहनत आखिर रंग लाई, जब विश्व बैंक ने भारत में गरीबी के मायाजाल के चक्रव्यूह को तोड़ने में सफलता हासिल करने पर अपनी मुहर लगा दी। वर्ल्ड बैंक की यह रिपोर्ट मोदी के गरीबी कम करने के दावों की पुष्टि करता है। अस्सी करोड़ गरीबों को खाद्य सहायता प्रदान करने वाले भारत की गरीबी पर लगातार हो रहे सर्वे और अध्ययन रिपोर्टों का गहनता से अवलोकन और विश्लेषण करें तो पायेंगे, अब तक देश गरीबी से मुक्त हो गया होगा। जब भी गरीबी से मुक्ति की कोई रिपोर्ट आती है तो हमारी ख़ुशी का ठिकाना नहीं रहता की हम गरीबी के अभिशाप से मुक्त हो रहे है। लगता है हमारे देश की गरीबी किसी मायाजाल से कम नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार 2011-12 में देश में अत्यधिक गरीबी 16.2 प्रतिशत थी जो 2022-23 में घटकर 2.3 प्रतिशत पर आ गई है। अत्यधिक गरीब का मतलब ऐसे लोगों से है जिनका रोजाना खर्च 2.15 डॉलर (करीब 180 रुपये) से भी कम है। यह खबर हमारे लिए सुकूनदायी कही जा सकती है। रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान 17.1 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। गांवों में अत्यधिक गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत रह गई है। इसी तरह शहरों में यह आंकड़ा 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत रह गया है। पाँच सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों--उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश--में 2011-12 में देश के 65 प्रतिशत अति गरीब रहते थे और 2022-23 तक अत्यधिक गरीबी में कुल गिरावट में दो-तिहाई का योगदान दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अब निम्न-मध्यम आय वाले देशों की श्रेणी में आ गया है। इसका मतलब है कि भारत की अर्थव्यवस्था पहले से बेहतर हुई है। स्वतंत्र विश्लेषक इसे किसी चमत्कार से कम नहीं आंकते है। यह पिछले दशक की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है।

दुनिया भर में गरीबी की स्थिति आज भी बेहद चिंताजनक है। हमारे देश की बात करें तो आजादी के 78 सालों के बाद भारत में गरीब और गरीबी पर लगातार अध्ययन और खुलासा हो रहा है। पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन के प्रयास जरूर सिरे चढ़े है। भारत सरकार ने हर प्रकार की गरीबी को कम करने के लक्ष्य के साथ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है।

गौरतलब है वर्ष 2024 में सरकारी रिपोर्ट में पिछले नौ वर्षों में भारत में करीब 25 करोड़ लोगों के गरीबी के अभिशाप से मुक्त होने का दावा किया गया था वहीं भारतीय स्टेट बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में पहली बार ऐतिहासिक रूप से गांवों में गरीबी में तेजी से कमी आई है और एक साल के भीतर यह 5 फीसदी से नीचे आ गई है। यह मुख्य रूप से सरकारी सहायता कार्यक्रमों के प्रभावों के कारण संभव हुआ है। यह भी कहा गया कि मोदी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास पर खास ध्यान दिया है। इसका असर जमीन पर दिख रहा है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट 2024 की बात करे तो भारत का स्थान 127 देशों में 105वां है। हालांकि पिछले सालों की तुलना में वर्ष 2024 में भारत की रैंक में सुधार हुआ है। वर्ष 2023 में भारत कुल 125 देशों में से 111वें स्थान पर था। हालांकि, सरकार ने त्रुटिपूर्ण कार्यप्रणाली का हवाला देते हुए इस सूचकांक में भारत के प्रदर्शन का विरोध किया था।

एसबीआई रिसर्च के पेपर में कहा गया है कि ग्रामीण गरीबी 2023-24 में घटकर 4.86 फीसदी हो जाएगी, जो पिछले साल 7.2 फीसदी थी। 2011-12 में यह 25.7 फीसदी थी। इस बीच शहरी क्षेत्रों में 2024 में साल-दर-साल गिरावट धीमी रही। एसबीआई रिसर्च ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में यह 4.09 फीसदी थी, जबकि पिछले साल यह 4.60 फीसदी थी। रिपोर्ट में ग्रामीण गरीबी में तेज कमी का श्रेय निम्न आय वर्ग के बीच खपत वृद्धि को दिया गया है, जिसे मजबूत सरकारी समर्थन से बल मिला है। शहरी गरीबी में भी तेजी से कमी आई है, जो अब 4.09 फीसदी होने का अनुमान है, जो 2011-12 में 13.7 फीसदी थी। रिपोर्ट में कहा कि ग्रामीण गरीबी अनुपात में तेज गिरावट महत्वपूर्ण सरकारी सहायता के साथ कंजम्पशन ठोथ का नतीजा है।

दुनिया भर में गरीबी की स्थिति आज भी बेहद चिंताजनक है। हमारे देश की बात करें तो आजादी के 78 सालों के बाद भारत में गरीब और गरीबी पर लगातार अध्ययन और खुलासा हो रहा है। पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन के प्रयास जरूर सिरे चढ़े है। भारत सरकार ने हर प्रकार की गरीबी को कम करने के लक्ष्य के साथ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाना, सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। मातृ स्वास्थ्य का समाधान करने वाले विभिन्न कार्यक्रम, उज्ज्वला योजना के माध्यम से स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन वितरण, सौभाग्य के माध्यम से बिजली कवरेज में सुधार, और स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसे परिवर्तनकारी अभियानों ने सामूहिक रूप से लोगों की रहने की स्थिति और समग्र कल्याण की स्थिति में सुधार किया है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री जन धन योजना और पीएम आवास योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने वित्तीय समावेशन और वंचितों के लिए सुरक्षित आवास प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे बुनियादी सेवाओं तक पहुंच में आने वाली मूलभूत समस्याओं का तेजी से समाधान हो रहा है ताकि देश एक विकसित राष्ट्र यानी विकसित भारत 2047 बनने की ओर अग्रसर हो सके। सरकारी स्तर पर यदि ईमानदारी से प्रयास किये जाये और जनधन का दुरूपयोग नहीं हो तो भारत शीघ्र गरीबी के अभिशाप से मुक्त हो सकता है।

–अतिथि सम्पादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

क्या 'ई-लाइब्रेरी' रीडर्स को राहत प्रदान कर पाएगी...

अविनाश जोशी

किताबों के शौकीन लोगों के लिए ऑनलाइन यानी ई-लाइब्रेरी किसी तोहफे से कम नहीं है। आज के युग में डिजिटल मोड से जुड़े लर्निंग के सभी साधनों का उपयोग हमें स्पर्धा में आगे रखेगा। मोबाइल क्रांति के इस युग में ई-लाइब्रेरी के फैलाव से हम सबके लिए ई-लर्निंग में एक नई क्रांति की शुरुआत होगी...

आज के डिजिटल युग में सूचना और ज्ञान की पहुँच को आसान और सुलभ बनाना समय की आवश्यकता बन गई है। इसी दिशा में भारत सरकार द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में ई-लाइब्रेरी (ई-पुस्तकालय) की शुरुआत की गई जो रीडर्स यानी पाठकों को कहीं से भी, कभी भी किताबें पढ़ने की सुविधा प्रदान कर सकती है।

ई-लाइब्रेरी का अर्थ एक ऐसी लाइब्रेरी से है जहां पर डिजिटल रूप से सूचना और अध्ययन सामठी एक्सेस की जाती है। इस लाइब्रेरी में इंटरनेट कनेक्शन के द्वारा कंप्यूटर या फिर एंड्राइड मोबाइल के द्वारा हम कहीं पर भी देश के किसी भी कोने में बैठकर किसी भी समय अपने अनुसार सूचना तथा अध्ययन सामठी प्राप्त कर सकते है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों या स्त्रोतों जैसे कम्प्यूटर, मोबाइल, टीवी, रेडियो आदि के माध्यम से कई प्रकार कि सूचनाएं तथा विभिन्न क्षेत्रों का ज्ञान प्राप्त करना ई-लाइब्रेरी का भाग है। ई-लाइब्रेरी में सभी स्तर के अनुसार अधिगम सामठी उपलब्ध कराई जाती है। इसमें आप प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक तथा अनुसंधानकर्ताओं के लिए भी हर प्रकार की सामग्री उपलब्ध रहती है। ई-लाइब्रेरी अनुसंधान कार्य को अत्यंत सरल बना देती है क्योंकि इसके द्वारा समस्त प्रकार की अधिगम और अनुसंधान संबंधित सूचनाएं तथा लिखा हुआ लेख अधिगमकर्ताओं तक बहुत ही आसानी से पहुंच जाता है। ई-लाइब्रेरी द्वारा अधिगम या ज्ञान प्राप्त करने के लिए कुछ माध्यमों की आवश्यकता होती है, जैसे कंप्यूटर, मोबाइल फोन, बहु माध्यम नेटवर्किंग आदि। इन सभी की सहायता से ई-लाइब्रेरी बहुत ही सरल और आसान बन गई है। ई-लाइब्रेरी ऑनलाइन लाइब्रेरी का ही एक प्रारूप है। यह उन लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी है जिनके पास समय की कमी है। इन लोगों के पास यह सुविधा होती है कि वे ऑनलाइन किताबें पढ़ सकें। इसमें उन्हें पन्ने पलटने की भी जरूरत नहीं होती। सरकारों को ई-लाइब्रेरी की सुविधा विकसित करने के लिए काम करना चाहिए और फंडिंग के लिए आगे आना चाहिए। स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों में छात्रों के लिए यह वरदान है। ई-लाइब्रेरी से आपको बाजार में आई नई किताबों के बारे में जानकारी मिल जाती है। आपके मनपसंद लेखक की कौन सी नई किताब आई, इसके बारे में आपको पता लग जाता है।

ई-लाइब्रेरी नि:संदेह एक क्रांतिकारी पहल है जो आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए समाज को ज्ञान से जोड़ने का कार्य करेगी। इससे न केवल पुस्तकों तक पहुँच आसान होगी, बल्कि ज्ञान की दुनिया में एक नया द्वार भी खुलेगा। भारत में हिंदी भाषी पाठकों की संख्या करोड़ों में है, लेकिन अब तक डिजिटल संसाधनों में हिंदी में सामठी की उपलब्धता सीमित रही है। ई-लाइब्रेरी इस अंतर को पाटने का कार्य करेगी। अब पाठकों को प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, हरिवंश राय बच्चन, धर्मवीर भारती जैसे हिंदी साहित्यकारों की कृतियाँ डिजिटल रूप में पढ़ने को मिलेंगी। इसके साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को हिंदी माध्यम में अध्ययन सामग्री, गाइड, प्रश्न बैंक आदि भी इस लाइब्रेरी के माध्यम से उपलब्ध होंगे। भारत सरकार की नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (NDLI) और डिजिटल भारत जैसे अभियानों के अंतर्गत भी हिंदी कंटेंट पर जोर दिया जा रहा है।

हिंदी ई-पुस्तकों की यह पहल भाषाई समानता और संस्कृति के संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिससे हिंदी भाषी समुदाय के पाठकों को डिजिटल युग में सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। भारत में डिजिटल इंडिया, नई शिक्षा नीति (NEP 2020), और ग्रामीण डिजिटलीकरण जैसे अभियानों के साथ ई-लाइब्रेरी का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल प्रतीत होता है। जैसे-जैसे इंटरनेट की पहुँच गाँवों तक विस्तारित हो रही है और स्मार्टफोन उपयोगकर्ता बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे डिजिटल पुस्तकालयों की उपयोगिता और माँग भी तेज़ी से बढ़ेगी। इस मुहिम को मजबूती देने हेतु सरकार और निजी संस्थाएँ मिलकर ई-लाइब्रेरी को और समृद्ध बना रही हैं- जैसे नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (NDLI), eGranthalaya, Bharatavani जैसी पहलें यू ही लाखों डिजिटल संसाधन मुफ्त में उपलब्ध करा रही हैं। भविष्य में इन ई-लाइब्रेरी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और मशीन लर्निंग (ML) जैसी तकनीकों का प्रयोग कर पाठकों को उनके रुचि और ज़रूरत के अनुसार पुस्तकें सुझाई जा सकेंगी। इसके अलावा, स्थानीय भाषाओं में सामग्री को बढ़ावा देकर यह पहल देश की भाषाई विविधता को भी सम्मान देगी।

भारत में ई-लाइब्रेरी सिर्फ एक तकनीकी सुविधा नहीं, बल्कि यह ज्ञान के लोकतंत्रीकरण की दिशा में एक सशक्त पहल है, जो आने वाले समय में शिक्षा, शोध और सांस्कृतिक जागरूकता के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है।

मोबाइल ऐप की मदद से भी ई-लाइब्रेरी को और अधिक सुलभ और प्रभावशाली बनाया जा सकता है। आज के समय में स्मार्टफोन हर हाथ में है, और इसी तकनीक का लाभ उठाते हुए ई-लाइब्रेरी सेवाएँ अब मोबाइल ऐप्स के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे पाठक कहीं भी और कभी भी किताबें पढ़ सकते हैं-चाहे वे घर पर हों, यात्रा में या किसी ग्रामीण क्षेत्र में। इन मोबाइल ऐप्स में सरल यूज़र इंटरफेस, ऑफलाइन पढ़ने की सुविधा, बुकमार्किंग, नोट्स जोड़ने और भाषा चयन जैसी सुविधाएँ दी जाती हैं, जो पाठकों के अनुभव को बेहतर बनाती हैं। हिंदी भाषी उपयोगकर्ताओं के लिए भी अब कई ऐप्स में समर्पित हिंदी सेक्शन मौजूद हैं, जिससे वे अपनी पसंद की किताबें आसानी से खोज और पढ़ सकते हैं।मोबाइल ऐप्स के माध्यम से पुस्तकें न केवल अधिक लोगों तक पहुँचती हैं, बल्कि युवाओं को पढ़ने की आदत से भी जोड़ती हैं, जो आजकल मोबाइल पर अधिक समय बिताते हैं।

किसी भी समाज के बौद्धिक विकास में शैक्षिक संस्थानों और पुस्तकालयों के योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लेकिन अफसोसनाक बात यही है कि समाज के विकास में पुस्तकालयों को आज समुचित स्थान नहीं मिल पा रहा है। आजादी के सत्तर साल बाद भी देश में आम जनता तक पुस्तकालयों की पहुंच नहीं बन पाई। उल्टे, हो यह रहा है कि जहां कहीं पुस्तकालय हैं, वे भी वे जर्जर हैं और बदइंतजामी के शिकार हैं। यों तो विभिन्न शैक्षिक समितियों में पुस्तकालयों की महत्ता के गुणगान किए गए हैं, लेकिन हकीकत यही है कि वह एक कोने और कमरों में सिमटा दिखाई देता है। जब भी किसी नगर का निर्माण किया जाता है तो स्कूल, अस्पताल, सामुदायिक भवन, बाजार आदि की योजना बनाई जाती है। लेकिन पुस्तकालय के लिए कोई जगह नहीं बनाई जाती। आधुनिक शहरों के वास्तुकार मॉल, फास्ट रेल, यातायात के साधन, वातानुकूलित शॉपिंग सेंटर के बारे में तो सोचते हैं, लेकिन ज्ञान-पुस्तकादि के चाहने वालों को दरकिनार कर दिया जाता है। महानगरों में तो पुस्तकालयों की स्थिति ठीक नहीं है।

–अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

सरसों खरीद का सरकारी भुगतान नहीं होने से किसान परेशान

श्रीगंगानगर। यहां सरसों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के बावजूद किसानों को भुगतान में देरी का सामना करना पड़ रहा है। जिलेभर में बड़ी संख्या में किसानों ने सरकार को सरसों बेची है, लेकिन भुगतान प्रक्रिया भंडारण रसीदों की अनुपलब्धता के कारण अटकी हुई है। इससे किसान परेशान हैं और समितियों तथा खरीद केंद्रों के लगातार चक्कर काटने को मजबूर हैं। खरीद के बाद उपज वेयरहाउस में जमा करवाई जाती है, जहां से भंडारण रसीदें जारी की जाती हैं। यह रसीदें भुगतान प्रक्रिया की पहली आवश्यकता होती हैं, लेकिन श्रीगंगानगर जिले में वेयरहाउस प्रबंधन द्वारा अभी तक रसीदें संबंधित संस्थाओं को जारी नहीं की गई हैं। नतीजतन, भुगतान की प्रक्रिया शुरू ही नहीं हो पा रही है। किसानों ने बताया कि उन्होंने सरसों सरकार को बेची, लेकिन भुगतान के लिए अभी तक कोई स्पष्ट समय-सीमा नहीं बताई गई है।

एनटीए ने नीट-यूजी 2025 के प्रवेश पत्र जारी किए

कोटा, (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने बुधवार शाम को नीट यूजी-2025 के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए। नीट यूजी 2025 की ऑफिसियल वेबसाईट पर उपलब्ध लिंक पर कैंडिडेट्स अपने नीट यूजी रजिस्ट्रेशन नंबर तथा पासवर्ड डालकर अपने एडमिट कार्ड को निकाल सकते है। परीक्षा 4 मई को होगी। परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश 11.00 बजे से शुरू हो जाएगा और 1.30 बजे तक चलेगा।

एलन करियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलर पारिजात मिश्रा ने बताया कि एनटीए द्वारा जारी की गई एडमिट कार्ड गाईडलाईन के अनुसार पहले परीक्षा के एडमिट कार्ड कम सेल्फ डिक्लेरेशन अंडरटेकिंग को अच्छे से कंप्लीट करें। इसमें परीक्षार्थी को फोटो (जैसा आवेदन पत्र में अपलोड किया गया) चिपकाना है। परीक्षार्थी अपना एक पोस्टकार्ड साइज फोटो एडमिट कार्ड के साथ संलग्न निर्धारित परफोर्मा में चिपका कर परीक्षा केन्द्र पर साथ लेकर आएं। इसके अतिरिक्त एक समानांतर पासपोर्ट साईज फोटो भी लेकर आएं जोकि अटेंडेंस शीट पर चिपकाने के काम आएगा। परीक्षार्थी को स्वयं के साइन परीक्षक के सामने ही करने होंगे। बाएं हाथ के अंगूठे का इम्प्रेशन घर से लगाकर लाना होगा। आधार कार्ड की ओरिजिनल अपडेटेड कॉपी लाने के बारे में पेज नंबर 3 पर उल्लेखित किया गया है।

ओरिजनल आईडी साथ जरूर लाएं : मिश्रा ने बताया कि परीक्षार्थी ओरिजिनल आईडी जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, वोटर कार्ड अथवा 12वीं क्लास का प्रवेश पत्र जिसमें कैंडिडेट की फोटो आ रही हो, इनमें से कोई सी भी एक आईडी साथ लानी है। फोटो कॉपी किसी भी सूरत में मान्य नहीं होगी। विद्यार्थियों को पेन भी सेंटर पर ही दिया जाएगा। पर्सनल पारदर्शी वॉटर बोतल, और यदि कोई दिव्यांग है तो उससे संबंधित प्रमाण पत्र ले जाने होंगे।

ड्रेस कोड : मिश्रा ने बताया कि परीक्षार्थी कोई भी लाईट कलर ड्रेस पहन सकता है। छात्र ट्राउजर्स या पेंट जिसमें कि कोई मेटल बटन नहीं हो तथा हाफ शर्ट या टी-शर्ट पहन सकते हैं। छात्राएं सलवार कुर्ता, लेगिंग, पेंट या ट्राउजर्स, टी-शर्ट व कुर्ती पहन सकती हैं।

किसी में भी मेटल के बटन नहीं होने चाहिए। पैरों में हाई हील की सैंडल जूते वर्जित हैं, नॉर्मल स्लीपर्स या सामान्य जूते पहन सकते हैं। आभूषण या मेटल की चीजें जैसे ताबिज, कड़ा पहनकर नहीं जाना है।

इन पर रहेगा प्रतिबंध : परीक्षा में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज जैसे केलकुलेटर, मोबाईल फोन, घड़ी, ब्लूटूथ डिवाइस ले जाना वर्जित है। एडमिट कार्ड, पोस्टकार्ड साईज फोटो हेतु निर्धारित परफोर्मा तथा ओरिजनल आईडी कार्ड के अलावा कोई कागज नहीं ले जाया जा सकता।

परीक्षा कक्ष की स्थिति : ओएमआर शीट पर मुख्यतया: अपना रोल नंबर, पेपर कोड, क्वेश्चन पेपर बुकलेट नंबर तथा व्यक्तिगत विवरण को सबसे ज्यादा ध्यानपूर्वक भरें। ओवल भरते समय पेन की इंक दूसरे ओवल को ओवरलेप नहीं करे और न ही फैल करके ओएमआर को गंदा करे। कटिंग व ओवरराइटिंग, इरेजिंग भी नहीं करें। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जारी की गाई।

आखातीज पर बाल विवाह न हो, बूंदी जिला प्रशासन ने रखी पैनी नजर

बूंदी। जिला प्रशासन बूंदी द्वारा आखातीज (अक्षय तृतीया) के अवसर पर बाल विवाह की संभावनाओं को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती गई। "बाल विवाह मुक्त बूंदी" अभियान अंतर्गत बाल अधिकारिता, महिला अधिकारिता, शिक्षा विभाग, पुलिस, चाइल्ड लाइन 1098, एवं एक्शन एड-यूनिसेफ़ की संयुक्त टीमें जिले भर में सक्रिय रहीं। टीमों ने सामूहिक विवाह आयोजनों में जाकर व्यक्तिगत रूप से वर-वधुओं की आयु प्रमाणित करने के लिए जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, शैक्षिणक प्रमाण पत्र आदि दस्तावेजों की जांच की। कहीं भी विवाह योग्य आयु से कम आयु का संदेह होने पर मौके पर ही परिजनों से बातचीत कर स्थिति स्पष्ट की गई। टीमों ने आयोजकों को बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 की जानकारी देते हुए सचेत किया कि किसी भी प्रकार का उल्लंघन करने पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी बताया गया कि बाल विवाह केवल एक अपराध ही नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास पर भी विपरीत प्रभाव डालता है। सहायक निदेशक, बाल अधिकारिता हुकम चंद जाजोरिया ने बताया कि अभियान की तैयारियां पूर्व से ही विभाग द्वारा सुनियोजित रूप से की जा रही हैं। गाँव-गाँव जाकर नुक्कड़ नाटकों, पोस्टर, ऑडियो संदेशों और संवाद के ज़रिये जन-जागरूकता फैला कर आम नागरिकों से अपील की है कि बाल विवाह की जानकारी मिलने पर तत्कालचाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098पर सूचना दें। यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है, जिसे निभाकर हम बच्चों को सुरक्षित और समान अवसरों वाला जीवन दे सकते हैं। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सीमा पोद्दार ने बताया कि पंचायत समिति स्तर पर जनप्रतिनिधियों, संबंधित विभागों के हितधारकों, व बाल संरक्षण समिति सदस्यों को प्रशिक्षण देने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन बाल कल्याण समिति, बाल अधिकारिता व एक्शन एड-यूनिसेफ़ द्वारा किया गया था जिससे बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम में सशक्त भूमिका निभा सकें। जिसमें एचसीएम रीपा जयपुर से संदर्भ व्यक्ति आये थे।

बाल विवाह मुक्त बूंदी अभियान अंतर्गत जिला प्रशासन के दल ने सामूहिक विवाह स्थलों का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर एक्शन एड ज़िला समन्वयक ज़हीर आलम ने बताया किसाथिनोंद्वारा ठाम स्तर पर बाल विवाह की रोकथाम हेतु निरंतर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि साथिनें पंचायत स्तर पर समुदाय से संवाद कर रही हैं, किशोरियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित कर रही हैं, और बाल विवाह के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव लाने का प्रयास कर रही हैं। साथ ही, वे ऐसे परिवारों की पहचान कर समय पर सूचना विभाग को उपलब्ध करा रही हैं, जहाँ बाल विवाह की संभावनाएँ पाई जाती हैं। संरक्षण अधिकारी गोविंद कुमार गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह मुक्त बूंदी अभियान जिला प्रशासन, बाल अधिकारिता, महिला अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस, एक्शन एड-यूनिसेफ आदि का साझा अभियान है जिसके तहत यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जिले में किसी भी बालिका या बालक का विवाह 18/21 वर्ष की वैधानिक आयु से पूर्व न हो। इस अभियान के माध्यम से ठामीण क्षेत्रों, पंचायत स्तर और स्कूलों में भी निरंतर जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर, आउट रीच वर्कर दीपिका वशिष्ठ, चाइल्ड हेल्पलाइन ज़िला समन्वयक राम नारायण गुर्जर, पर्यवेक्षक पिंकी राठौड़, प्रीति बंशीवाल, सुमन बैरवा,जेंडर विशेषज्ञ विनीता अठावाल, सलोनी कुमावत, पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र प्रबंधक पूर्णिमा गौतम, काउंसलर सलोनी शर्मा, अक्षिता मिश्रण, प्रिया मिश्रण आदि उपस्थित रहे।

राशिफल गुरूवार 1 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र दिन 12:21 तक, अतिगंडयोग प्रात: 8:34 तक, विष्टि करण दिन 11:24 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 2:21 तक है। भद्रा दिन 11:24 तक रहेगी। आज विनायक चतुरथी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:30 तक, चर 10:46 से 12:24 तक, लाभ अमृत 12:24 से 3:34 तक, शुभ 5:13 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:52, सूर्यास्त 6:55

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मकर

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

तुला

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियां अभी बनी रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन

व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

जालोर में मिली यादों को सहेज कर रखेंगे : भूपेन्द्र सनाढ्य

जालोर, (कासं)। अभिभाषक संघ, जालोर की ओर से बुधवार को न्यायाधीशों का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि जिला एवं सेशन न्यायाधीश हारुन थे, जबकि अध्यक्षता अभिभाषक संघ के अध्यक्ष देवेंद्रसिंह राठोड पोषाणा ने की।

संघ के उपाध्यक्ष अश्विन राजपुरोहित ने बताया कि न्यायाधीशों के स्थानांतरण पर अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। अभिनंदन समारोह में पोक्सो कोर्ट के विशिष्ट न्यायाधीश भूपेंद्र कुमार सनाढ्य का संघ के अध्यक्ष राठौड ने सांफा पहनाकर एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सरदार खा खोखर व बसंत कुमार गहलोत ने माला पहनाकर स्वागत किया। इसी तरह अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम आशा चारण का वरिष्ठ अधिवक्ता नैनसिंह सांथू ने शॉल ओढाकर व संघ के सचिव प्रवीण कुमार भादरु ने फूलो का गुलदस्ता भेंटकर अभिनंदन किया। वहीं आशा चारण का महिला अधिवक्ता दशरथ कंवर व नीतू राजपुरोहित ने माला पहनाकर स्वागत किया। समारोह को जिला एवं सेशन न्यायाधीश हारुन ने संबोधित करते हुए कहा कि जालोर की बार बहुत अच्छी है। यहां दोनों के बीच बहुत मधुर संबंध है। उन्होंने स्थानांतरण होकर जा रहे दोनों न्यायाधीशों को शुभकामनाएं दीं। इसी तरह विशिष्ट न्यायाधीश सनाढय ने कहा कि जालोर में उनके अनुभव काफी अच्छे रहे, अधिवक्ताओं ने काफी सहयोग किया। यहां से अच्छी यादें लेकर जा रहा हूं। आशा चारण ने भी अपने अनुभव साझा किए। इससे पूर्व समारोह के प्रारंभ में संघ के अध्यक्ष ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन संघ के उपाध्यक्ष अश्विन राजपुरोहित ने किया।

एससी-एसटी कोर्ट के विशिष्ट न्यायाधीश परवेज अहमद, एडीआर के सचिव अहसान अहमद, सीजेएम प्रिया टावरी, न्यायिक मजिस्ट्रेट दिव्या गोदारा, संघ के सचिव प्रवीण भादरू, कोषाध्यक्ष पुखराज माली, पुस्तकालय अध्यक्ष गोपेश राठौड, वरिष्ठ अधिवक्ता चुन्नीलाल थांवला, नैनसिंह सांकरणा, मोहनसिंह राणावत, ईश्वरदान चारण, चैनाराम चौधरी, गोकुलराम परिहार, मुमताज अली सैयद, रमेश कुमार सोलंकी, ओम प्रकाश व्यास, तेजसिंह बालावत, मानवेंद्र राजपुरोहित, खसाराम परिहार, प्रभुसिंह राजपुरोहित, नवीन गहलोत, उतम कुमार गहलोत, सुरेंद्र कुमार चौहान, प्रवीण कुमार घांची, प्रवीण चौहान, चिरंजीलाल गहलोत, शकील खां मेहर, रजब खोखर, दौलत बाराडा, ईश्वरसिंह तडवा, श्रवणसिंह सिसोदिया, दुष्यंत सुथार, रणजीतसिंह, इसरार खान, इलियास खान, भंवर मेघवाल, केशव व्यास, सोहन चौहान, ज्योत्सना राजपुरोहित, सरिता चौधरी, दिनेश कुमार, प्रवीण कुमार, दीपेंद्रसिंह, ओम प्रकाश चौधरी, जितेंद्र परिहार, अनिल पंडत समेत कई जने उपस्थित थे।

जालोर अभिभाषक संघ ने न्यायाधीश भूपेन्द्र कुमार सनाढ्य व आशा चारण के स्थानांतरण पर विदाई समारोह आयोजित किया। फोटो-राष्ट्रदूत

नशा मुक्ति के लिए जागरूकता कार्यक्रम किया

जालोर, (कासं)। जिला कलेक्टर जालोर एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जालौर के निर्देशानुसार ग्रामीण उत्थान मानव संस्थान द्वारा संचालित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र, रामदेव कॉलोनी,जालौर की टीम ने आज सामतीपुरा ग्राम पंचायत में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत ग्रामीणों को नशे के प्रति जागरूकता अभियान के तहत विकसित भारत का मंत्र, देश हो नशे से स्वतंत्र, की थीम पर जिले की सामतीपुरा ग्राम पंचायत में नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में संस्था के प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर हीरालाल चौहान ने ग्रामीणों को जीवन में नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जानकारी प्रदान की एवं जीवन में कभी भी नशा नहीं करने की शपथ दिलाई एवं नशा मुक्ति केंद्र की कार्य प्रणाली पर विस्तार से जानकारी दी जेसे- रहना,खाना, दवाइयों की निशुल्क सुविधा प्रदान की जाती है, योग व काउंसलिंग के माध्यम से भी नशे से छुटकारा दिलाया जाता है। नशा मुक्ति की दिशा में प्रोत्साहित करते हुए हेल्पलाइन नंबर 14446 का प्रसार प्रसार किया जाने की बात कही, क्योंकि वर्तमान समय में ज्यादातर अपराध नशे के कारण हो रहे है। उक्त कार्यक्रम में काउंसलर ममता कुमारी नर्सिंग स्टाफ मुकेश कुमार एवं वरीगाराम तथा ग्रामीण उपस्थित रहे। वहीं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक भगवाना राम चौधरी के निर्देशन में ग्राम पंचायत लेटा में जागरूकता कार्यक्रम किया।

मारू प्रजापत समाज का सामूहिक विवाह संपन्न

जालोर में प्रजापत समाज के सामूहिक विवाह समारोह में सात जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। श्रीयादे सेवा संस्थान जालोर के तत्वावधान में प्रजापत समाज का बारहवाँ सामूहिक विवाह समारोह स्थानीय चामुंडा गार्डन में बुधवार को सात जोडों के परिणय सूत्र में बंधने के साथ सम्पन्न हुआ।

बुधवार को प्रात: 7 बजे वधुओं के चामुंडा गार्डन में पहुचने के साथ बारातों के आगमन का सिलसिला प्रारम्भ हुआ। जहाँ ढोल धमाकों के साथ संस्थान के सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया।फिर पंचों द्वारा परजोन के साथ रीति रिवाज अनुसार वर वधु के पहनावे के कपडो की जांच की गई। ततपश्चात वर द्वारा तोरण की रस्म अदा की गई। फिर सुसज्जित चवरी मंडप में दूल्हे दुल्हन द्वारा पंडित राकेश दवे के नेतृत्व में वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ सात फेरे लिए गए।उधर दूल्हे और दुल्हन पक्षों की औरतों द्वारा पारम्परिक विवाह के गीत गाये गये।

इस अवसर पर देसू हनुमानजी मंदिर के महंत रतनभारती महाराज द्वारा दुल्हनों को कन्यादान स्वरूप भेंट देकर आशीर्वाद देकर उनके मंगल परिणय जीवन की कामना की।

इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष नरपतलाल आर्य के नेतृत्व में सदस्यों द्वारा सामूहिक विवाह में सहयोग करने वाले भामाशाहों, आमंत्रण पत्रिका में विज्ञापन देने वाले सहयोगियों और बाहर से आये समाज के विशिष्ट जनों कभी माला, दुप्पट्टा, साफा व मोमेन्टो से सम्मान किया गया। मंच संचालन महेन्द्र राठौड और ओमप्रकाश आर्य द्वारा किया गया।

इस अवसर पर संस्थान सचिव किशोर देवडा और कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल मेवाडा सहित गलबाराम आर्य, चंपालाल देवडा, सुरेश बडवाल, डायाराम बडवाल, शंकरलाल देवडा, वचनाराम देवडा, मदनलाल मेवाडा, श्याम देवडा, महेंद्र पोनेचा, महेंद्र मेवाडा, गोकुल देवडा, मनोज देवडा,उत्तम देवडा,ललित देवडा, शांतिलाल सियोटा, विक्रम देवडा, अमृत चांदोरा सहित समाज के पंच पटेल सहित कई लोग उपस्थित थे।

'मिर्गी रोगियों में जीने का नया उत्साह पैदा किया'

श्रीधर शिक्षण संस्थान के तत्वावधान में लायंस क्लब में मिर्गी शिविर आयोजित किया।

जोधपुर, (का.सं.)। हर माह आयोजित होने वाले निशुल्क मिर्गी शिविर की कड़ी में 323 वें कैंप का आयोजन श्रीधर शिक्षण संस्थान के तत्वावधान में लायंस क्लब में किया गया।

शिविर का उद्घाटन प्रांत संघ चालक हरदयाल जी वर्मा और स्वतंत्र वरिष्ठ पत्रकार चंद्र मोहन कल्ला और एस बी आई बैंक के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी और शेखावाटी समाज के भूतपूर्व अध्यक्ष आर पी शर्मा जी ने किया।

श्रीधर शिक्षण संस्थान की सचिव डा पद्मजा शर्मा ने बताया कि अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्वयं सेवक के प्रांत संघ संचालक हरदयाल वर्मा जी ने कहा कि 27 वर्ष से लगातार मिर्गी रोगियों की निशुल्क चिकित्सा के साथ इनके जीवन में जीने का एक नया उत्साह पैदा करना और इनके सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन से इनको मिर्गी से मुक्त ही नहीं किया जा रहा बल्कि इनके रोजगार की व्यवस्था कर इनको डिप्रेशन से बाहर लाकर इनको समाज की मुख्यधारा में सामान्य नागरिक जीवन जीने का सम्मान देना एक बड़ा कार्य इन कैंपों में किया जा रहा है। इसके लिए मैं डा नगेंद्र शर्मा और उनकी टीम को साधुवाद देता हूं। पत्रकार चंद्रमोहन कल्ला ने कहा कि पिछले 27वर्षों से चल रहे कैंपों का मैं सबसे बड़ा साक्षी हूं। इन कैंपों के बारे में मैं लगातार लिख रहा हूं। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य शुरु तो किया जा सकता है ,लेकिन उसको लगातार जारी रखना एक भागीरथी प्रयास होता है।27 वर्षों से लगातार इन कैंपों का आयोजन कर डा नगेंद्र शर्मा ने पूरे मिर्गी रोगियों की सोच में आमूल चूल परिवर्तन किया है। जिस बीमारी का अंधविश्वास के सहारे इलाज किया जाता था आज वो एक ब्रेन की बीमारी के रूप में जानी जाती है और मरीज अपना इलाज करवाकर सामान्य जीवन व्यतीत कर रहे हैं। ये इन शिविरों की बड़ी उपलब्धि है। मैं अपने दिल से डॉ नगेंद्र शर्मा और उनकी पूरी टीम को बधाई देता हूं इस अवसर पर आर पी शर्मा जी ने कहा कि इन कैंपों में मरीजों का एक परिवार के सदस्य की तरह इलाज किया जाता है जो एक चिकित्सक की मानव सेवा के समर्पित जीवन को दर्शाता है। यह एक मानव सेवा का बहुत बड़ा उदाहरण है।

कैंप की शुरुआत में अतिथियों को शॉल उड़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और आखिर में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

डा नगेंद्र शर्मा ने बताया कि आज शिविर में 322 मरीजों का परीक्षण कर दवा का वितरण किया गया। आज अक्षय तृतीया के अवसर पर मरीजों को मिठाई वितरित की गई।

शिविर संयोजक किशन प्रजापत और महावीर शर्मा के अलावा के एन खत्री , कमलेश व्यास, वंदना राठौड़, पुखराज, दीपक सिंह, उमेश गौड,कृष्ण गर्ग, नेमीचंद शर्मा, हरीश शर्मा और छायाकार दिनेश पुरी ने सेवाएं दी।

पूजन किया

धोरीमन्ना, (निसं)। आदि गौड ब्राह्मण समाज भवन में बुधवार को भगवान परशुराम जन्म उत्सव व खेतेश्वर दाता का पूजन पाठ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि भाजपा मोटवी माता मंडल अध्यक्ष सुरेश दाधिच के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशेष पूजन पाङ्ग आरती कर प्रसाद वितरण किया गया । इस दौरान विप्र सेना जिला अध्यक्ष बाबूलाल सिडोलिया, राजस्थान ब्राह्मण महासभा धोरीमन्ना अध्यक्ष राणाराम राजपुरोहित, ज्वाला प्रसाद सारस्वत जिला उपाध्यक्ष सारस्वत समाज बाडमेर, आदि गौड नवयुवक मंडल अध्यक्ष रामलाल सिडोलिया, भीखाराम बबेरवाल, रूकमण बबेरवाल, सुमित दाधीच, भेराराम बबेरवाल,सुनिल राजपुरोहित, ईशवर गौड,उदय बबेरवाल, महेश भट्ट, धनराज सिडोलिया,सूरज सिडोलिया जोगाराम सिडोलिया सत्यनारायण भरीडवाल, दुर्गाराम भरीडवाल,सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के ब्राह्मण समाज के लोगों ने भाग लिया।

विमोचन आज

जालोर, (कासं)। आगामी 11 से 17 मई तक रतनपुरा रोड स्थित आर्यन पब्लिक स्कूल जालोर में गौ कुंज आश्रम उज्जैन मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय कथा वाचक साध्वी सुगनाबाई सा के मुखारबिंद से श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ कथा महोत्सव का आयोजन होगा।

आयोजक एम.एल.गुर्जर ने बताया कि जालोर की धरा पर संतों के आशीर्वाद से स्मृति शेष रामस्वरूप गुर्जर पुत्र स्मृति शेष आईदान गुर्जर (धांगड) एवं मोहिनी देवी धर्मपत्नी कानाराम गुर्जर (लीलू) की स्मृति में भागवत सप्ताह का आयोजन होगा।

आलड़ी ग्राम पंचायत को भीनमाल में जोड़ने की मांग

जालोर में आलड़ी ग्राम पंचायत के लोग जिला कलैक्टर को ज्ञापन देने पहुंचे। फोटो-राष्ट्रदूत

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। जालोर जिले की आलड़ी ग्राम पंचायत के निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि उनकी पंचायत को रानीवाड़ा तहसील से हटाकर भीनमाल तहसील में शामिल किया जाए। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुएइस बदलाव कोजनहित में आवश्यकबताया है।

ग्रामवासियों के अनुसार,आलड़ी गांव की सीमा भीनमाल से करीब 8 किलोमीटर तक जुड़ी हुई है, जबकि रानीवाड़ा मुख्यालय35 किलोमीटर दूर स्थित है।

भीनमाल से आलड़ी की दूरी मात्र 6 किलोमीटर है, जिससे दैनिक कार्यों के लिए ग्रामीणों का अधिकतर जुड़ाव भीनमाल से रहता है।

ग्रामीणों ने बताया कि बैंकिंग, बाजार, पुलिस कार्यालय जैसे दैनिक कार्यों के लिए उन्हें भीनमाल जाना पड़ता है, जबकि तहसील और पंचायत समिति के कार्यों के लिए रानीवाड़ा जाने से आर्थिक और समय की परेशानी होती है। इस दूरी के कारण उन्हें अधिक खर्च और कठिनाई उठानी पड़ रही है।

ग्राम पंचायत आलड़ी केसरपंच जीवाराम मेघवाल और उप सरपंच रणछोडाराम चौधरी ने जिला प्रशासन से अनुरोध किया है कि आलड़ी को भीनमाल तहसील में जोड़ने की कार्यवाही जल्द शुरू की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यह बदलाव उनकी मौलिक जरूरतों के अनुकूल होगाऔर उन्हें प्रशासनिक सुविधाओं का बेहतर लाभ मिल सकेगा।

ग्रामवासियों की इस मांग को लेकर अबप्रशासन की प्रतिक्रिया का इंतजारहै।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि उनकी पंचायत को भीनमाल में शामिल किया जाता है, तो वेसरकारी सेवाओं और सुविधाओं का सुगमता से लाभ उठा सकेंगे।

पुनायता रोड पर चामुंडा माता की प्राण प्रतिष्ठा हुई

पाली,(नि.सं.)। पुनायता रोड स्थित चामुंडा माता मन्दिर की पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन महाप्रसादी के साथ सम्पन्न हुआ।

सम्पूर्ण प्राण प्रतिष्ठा के आयोजनकर्ता अजित सिंह राजपुरोहित रायगुर ने बताया कि महन्त प्रकाश गिरी महाराज की निश्रा में चामुंडा माता मन्दिर की पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतिम दिन सिरोही से आएं विद्वान पण्डितो द्वारा चामुण्डा माता की प्रतिमा का पूजा अर्चना कर विधी विधान से मंत्रोच्चार द्वारा अनुष्ठान कर अजित सिंह राजपुरोहित रायगुर परिवार ने सिंह की सवारी चामुंडा माता की प्रतिमा स्थापित की गई।

तत्पश्चात मन्दिर के शिखर पर स्वर्ण कलश व ध्वजारोहण किया।इसी दौरान मन्दिर प्रांगण में ब्रह्मलीन दीपक गिरी महाराज, सिंह शेर, वरुण देव,काला भैरु,गोरा भैरु,तीन दिशा देव सहित 9 मूर्तीयों की प्राण प्रतिष्ठा कर राजपुरोहित फार्म हाउस में महाप्रसादी की गई। कार्यक्रम में किरण सिंह, दलपत सिंह, प्रशान्त सिंह, योगेश सिंह, विक्रम सिंह, दुर्गेश सिंह, लोकेन्द्र सिंह मुनसा, धनराज गिरी, पण्डित महेन्द्र व्यास,करणसिंह मेड़तिया, एडवोकेट भवानी सिंह राणावत, राजू व्यास, भोमाराम महाराज, मोहन कुमावत, गोबराम, नवाराम,शिवराम गुर्जर, गोपाल, भगाराम चौधरी, हेमराज, प्रकाश जोशी, नृसिंह कुमावत सहित कई लोग मौजूद रहे।

सर्व ब्राह्मण समाज ने शोभायात्रा निकाली, शिव तांडव नृत्य हुआ

पाली, (नि.सं.)। भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह समिति पाली और समस्त ब्राह्मण समाज पाली की देखरेख में बुधवार सुबह भगवान परशुराम की जयंती को लेकर गाजे-बाजे के साथ बाईसी बगेची से शोभायात्रा निकाली गई। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर शोभायात्रा का स्वागत किया।

शोभायात्रा में शामिल जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए सैलानियों को श्रद्धांजलि देने सहित अन्य झांकियां, भगवान परशुराम के जीवन को दर्शाती शिव ताडंव नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। शहर के बाईसी बगेची आमलेश्वर महादेव मंदिर से रवाना हुई, शोभायात्रा शहर के विभिन्न रास्तों से होते हुए लखोटिया रंगमंच पहुंचकर सम्पन्न हुई। जहां महाप्रसादी और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें समाज के भामाशाहों को सम्मानित किया गया। पूरे कार्यक्रम में बडी संख्या में ब्राह्मण समाजबंधु शामिल रहे।

भगवान परशुराम का स्वांग रचे हाथ में फरसा लिए चल रहा एक घुडसवार युवक शोभायात्रा की अगुआई करते हुए चल रहा था। उसके पीछे पर शिव ताडंव नृत्य करते कलाकारों का डांस देखने लायक था। कई शहरवासी उनके मनमोहक डांस को अपने मोबाइल के कैमरे में कैद करते नजर आए।

शोभायात्रा में चल रहे कार्टून पात्र भीम और डोरेमन का स्वांग रचे कलाकार सभी का मन मोह रहे थे। उनके पीछे झांकियों के जरिए भगवान परशुराम का जीवन चरित्र दर्शाया जा रहा था। ट्रैक्टर ट्रॉली में बैठी बुजुर्ग महिलाएं पूरे रास्ते भजन गाते हुए चल रही थी।

इसके साथ ही पहलगाम में आतंकी हमले में शहीद हुए सैलानियों को श्रद्धांजलि देने की झांकी भी आकर्षक का केंद्र रही। उनके पीछे-पीछे महिलाएं और युवतियां डांस करते हुए चल रही थी और पुरुष भगवान परशुराम के जैकारे लगा रहे थे।

शोभायात्रा के अंत में उत्साहित युवा भगवान परशुराम की झांकी का रथ पूरे रास्ते अपने हाथों से खींचते हुए चल रहे थे।

अंबेडकर सर्किल के पास पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा के नेतृत्व में भाजपाइयों ने और कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण कोठरी, शिशुपाल सिंह, मूलचंद संकलेचा, मांगूसिंह दूदावत आदि के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने शोभायात्रा पर फूल बरसाकर स्वागत किया। रास्ते में ओर भी कई जगह

शोभायात्रा आमलेश्वर महादेव मंदिर से गाजे बाजे के साथ रवाना हुई। जो गांधी मूर्ति, अम्बेडकर सर्कल, सूरजपोल, धोला चौतरा, सोमनाथ मंदिर, घी का झंडा, सर्राफा बाजार, पानी दरवाजा, भेरूघाट होते हुए लखोटिया के रंगमंच पहुंच सम्पन्न हुई। जहां महाप्रसादी और भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

शोभायात्रा में विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष प्रमोद दवे, सीनियर एडवोकेट पीएम जोशी, प्रदीप दवे दिलीप दवे, शरद ओझा, अरूण दवे, जितेंद्र व्यास, अमरदीप शर्मा, हरवंश दवे, अरूण दवे, ईश्वर सिखवाल, रामपाल शर्मा, सोहन उपाध्याय, नंदकिशोर पारीक, जुगल दाधीच, रमेश मिश्रा, कमलेश शर्मा, कांग्रेस नेता महावीरसिंह सुकरलाई, दिनेश दवे, पवन पांडे सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाजबंधु शामिल रहे।

पाली में शिव ताडंव नृत्य करते कलाकार आकर्षण का केंद्र बने। फोटो-राष्ट्रदूत

ऋण चुकाने के लिए एकमुश्त योजना

जालोर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री बजट घोषणा के तहत अल्पसंख्यक वर्ग के हित में एक मुश्त समाधान योजना 2025 लागू की गई है जिससे अल्पसंख्यक वर्ग को बकाया ऋण के ब्याज में राहत मिलेगी।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि इस योजना के तहत राजस्थान अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड द्वारा अल्पसंख्यक वर्ग को दिए गए ऋण के लिए यह योजना लागू की गई है। अल्पसंख्यक वर्ग को दिए गए व्यावसायिक ,शिक्षा एवं माइक्रो ऋण की बकाया राशि को एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज एवं दण्डनीय ब्याज में छूट प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में 1 मई 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक होगा, जिसमें ऋणी द्वारा बकाया राशि जमा कराने पर ब्याज एवं दण्डनीय ब्याज पूरा माफ किया जाएगा। ऋणी को केवल बकाया मूलधन ही जमा करवाना होगा। द्वितीय चरण में 1 अक्टूबर से 31 दिसम्बर 2025 तक केवल दण्डनीय ब्याज माफ किया जाएगा।

पाली कलैक्ट्रेट में स्काउट गाइड ने लगाए परिंडे

पाली, (नि.सं.)। जिला कलेक्टर पाली की मूक पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए की गई अभिनव पहल परिंदों के लिए परिंडा अभियान के तहत आज राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय पाली के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढाबर के स्काउट यूनिट लीडर मोहन सिंह द्वारा नवाचार करते हुए मिट्टी के घड़े से तैयार किए गए विशेष परिंडे (वातानुकूलित परिंडे) को जिला कलेक्टर परिसर में जिला कलेक्टर पाली लक्ष्मी नारायण मंत्री द्वारा वातानुकूलित परिंडा लगाकर अभियान की श्रृंखला में नवाचार समाहित किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर बजरंग सिंह, उपखंड अधिकारी पाली विमलेंद्र सिंह राणावत, परिंडा अभियान के ब्रांड एंबेसेडर ओर अध्यक्ष भारत स्काउट व गाइड पाली महेंद्र बोहरा एवं अर्जुन मेहता, तथा जिला मुख्य आयुक्त एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी चंद्र प्रकाश जायसवाल एवं सीबीईओ पाली दिलीप कर्मचंदानी, सी ओ गाइड डिंपल दवे के द्वारा परिसर में परिंडे बांधकर स्काउट गाइड द्वारा किए गए इस नवाचार की सराहना की गई। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी पाली ने इसे पर्यावरण संरक्षण अभियान से जोड़कर वेस्ट टू बेस्ट अभियान के तहत पुराने ओर अनुपयोगी मिट्टी के घड़े को नया रूप देकर पुन: उपयोगी बनाने के साथ ही परोपकार और पुण्यार्थ उपयोग किए जाने हेतु सार्थक प्रयास की सराहना की ओर संपूर्ण पाली जिले में स्काउट गाइड द्वारा परिंडा अभियान को सफल बनाने के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

जिला प्रशासन पाली की अभिनव पहल परिंडा अभियान के जिला संयोजक एवं सहायक निदेशक सोहन भाटी ने बताया कि भारत स्काउट व गाइड पाली के सी. ओ. स्काउट गोविन्द मीना एवं सी ओ गाइड डिंपल दवे के निर्देशन में स्काउट यूनिट लीडर मोहन सिंह के द्वारा तैयार किए वातानुकूलित परिंडे में पक्षियों को पानी पीने के साथ ही बैठने के लिए छाया भी प्राप्त हो सकेगी तथा मूक पक्षियों को भीषण गर्मी से राहत प्राप्त होगी।

सी ओ स्काउट गोविन्द मीना ने बताया कि स्काउट गाइड संगठन द्वारा घरों में काम आने वाले पुराने घड़ों का उपयोग करते हुए इस प्रकार का नवाचार करते हुए वातानुकूलित परिंडे का निर्माण किया जाकर आगामी दिनों में शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक कार्यालय, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालयों में इस प्रकार के परिंडे लगाए जायेंगे जिससे पक्षियों को इस गर्मी में प्यास बुझाने के साथ में शीतल छाया भी प्राप्त हो सकेगी।

परिंडा अभियान कार्यक्रम में आज स्थानीय संघ रोहट सचिव दौलत सिंह, पाली सचिव कैलाश कुमार, संयुक्त सचिव उर्मिला यति, स्काउटर प्रदीप कुमार शर्मा, मोहन सिंह राठौर, समाज सेवी विमला मंत्री आदि उपस्थित रहे।

डिस्कॉम कार्यालयों में सुरक्षा पर्व कल

जालोर, (का.सं.)। डिस्कॉम द्वारा जिले में विद्युत दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए कार्मिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए 2 मई को जिले में प्रत्येक अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता मुख्यालय पर कार्यशाला आयोजित कर सुरक्षा पर्व मनाया जायेगा।

जोधपुर डिस्कॉम जालोर के अधीक्षण अभियंता (पवस) धर्मेन्द्र प्रजापति ने जानकारी देत हुए बताया कि 2 मई को आयोजित होने वाली कार्यशालाओं में संबंधित क्षेत्र के अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए आस-पास के क्षेत्र के तकनीकी कर्मचारियों, सब स्टेशनों पर कार्यरत ठेकेदार के कर्मचारियों तथा एफ.आर.टी. कार्मिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए उन्हें सुरक्षा संबंधी नियमों की जानकारी देने के साथ ही विद्युत संबंधी कार्य करते समय सुरक्षा उपकरणों का पूर्णतया उपयोग करने, बिना सुरक्षा उपकरणों के बिजली से संबंधित कोई भी कार्य करने से पूर्व अपने इष्टदेव का ध्यान कर कार्य प्रारंभ करने की शपथ दिलवाएंगे।

इस अवसर पर इस शपथ के साथ सभी निगम कार्मिकों व एफआरटी कार्मिकों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलवाई जायेगी।

पुलिस दल की जवाबी फायरिंग के बाद बदमाशों से हथियार बरामद

बदमाशों के पास से दो पिस्टल और 15 जिंदा कारतूस मिले

भीलवाड़ा। जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान पुलिस टीम पर हुई फायरिंग के बाद जवाबी फायरिंग में घायल आरोपी और उसके साथियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है।

जानकारी के अनुसार राजसमंद की कोबरा गैंग के लीडर सहित तीन लोगों पर हमले की प्लानिंग के साथ एमपी से हथियार लेकर आए बदमाशों के बीच हमीरगढ़ ईको पार्क के निकट मुखबिर की सूचना के बाद नाकाबंदी कर रही पुलिस ने जब इन बदमाशों को रोका तो हिस्ट्रीशीटर सिकंदर उर्फ लॉटरी ने तीन राउंड फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में हमीरगढ़ थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने जवाबी फायरिंग करते हुये दो राउंड फायर किये, जिससे एक गोली सिकंदर के पैर में लगी। घायल का पुलिस पहरे में जिला अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। उधर, पुलिस का कहना है कि सिकंदर सहित चार लोग किया कार में सवार थे। इनके पास दो पिस्टल और 15 जिंदा कारतूस मिले हैं। एसपी यादव

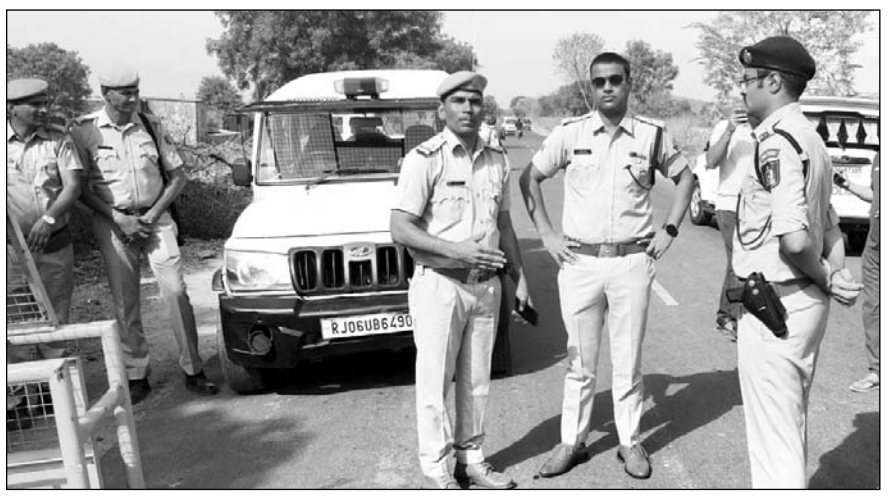

पुलिस टीम की नाकाबंदी के बाद बदताशों को धर दबोचा।

ने बताया कि कोतवाली व मांडल थाने के दो हिस्ट्रीशीटर अन्य लोगों के साथ मध्यप्रदेश से नये हथियार खरीदकर भीलवाड़ा की ओर आ रहे हैं और ये किसी बड़े अपराध को अंजाम देने की फिराक में है, इस तरह की सूचना पर हमीरगढ़ थाना प्रभारी गुर्जर और प्रशिक्षु आईपीएस जतिन जैन के नेतृत्व में टीम नाकाबंदी कर वाहनों की जांच में जुटी। सूचना के मुताबिक सामने से आई एक कार को पुलिस ने रोकना चाहा तो कार में सवार कच्ची बस्ती निवासी और कोतवाली थाने के हिस्ट्रीशीटर सिकंदर उर्फ लॉटरी पुत्र मोहम्मद रंगरेज ने फायरिंग शुरू कर दी। उसने पुलिस पर तीन राउंड फायरिंग की। एक गोली हमीरगढ़ थाने के सरकारी वाहन में आरपार निकल

- **तीन जनो पर हमले की प्लांनिग के लिए एमपी से हथिया लाये थे बदमाश**

गई। इसके चलते हमीरगढ़ थाना प्रभारी गुर्जर ने जवाबी कार्रवाई करते हुये दो राउंड फायर किये। इनमें से एक गोली सिकंदर के बायें पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने सिकंदर को तुरंत ही हमीरगढ़ अस्पताल भिजवा दिया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे एमजी अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। फायरिंग को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव भी मौके पर पहुंचे और निरीक्षण कर अधिकारियों से मामले की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इसके बाद एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और सबूत एकत्रित करते हुए अग्रिम जांच शुरू की। पुलिस ने मौके से दो पिस्टल, 15 जिंदा कारतूस व नई किया कार को कब्जे में लिया है।

टोंक में 354 अपराधियों को किया गिरफ्तार

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टोंक बृजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में धरपकड़ अभियान चलाया

जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया।

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में चलाये गये वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी एवं एरिया डॉमिनेन्स के संबंध एक दिवसीय विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टोंक बृजेन्द्र सिंह व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा मोटाराम के नेतृत्व में विभिन्न थानों की संयुक्त कार्यवाही के दौरान थानों की 92 विशेष टीमों ने 24 घंटे में जिले में वांछित अपराधियों के धरपकड़ अभियान में लॉकल एवं स्पेशल एक्ट में 19 प्रकरण दर्ज कर 18 व्यक्ति गिरफ्तार किये तथ 65 वांछित अपराधी गिरफ्तार, वही बीएनएसएस एक्ट में 279 व्यक्ति गिरफ्तार किया गया है।

एक दिवसीय धरपकड़ अभियान की कार्यवाही में आर्मस एक्ट में तीन आरोपी, एमएमआरडी एक्ट में 5 प्रकरण दर्ज कर 20 टन अवैध बजरी व 04 टन अवैध पत्थर सहित 0 5 ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त किये गये। इसी क्रम में एक्साईज एक्ट के दर्ज 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा अन्य एक्ट में 08 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया हैं। इसी प्रकार लॉकल एवं स्पेशल एक्ट में 18 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया तथा अभियान के दौरान 65 वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। वही बीएनएसएस में 279 व्यक्तियों गिरफ्तार किये गये, जिनमें से 273 व्यक्तियों को पाबन्द किया गया। इस प्रकार उक्त अभियान में कुल 354 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

मारपीट के आरोपी को 5 साल की सजा

बूंदी। जिला न्यायाधीश अजय शुक्ला ने आज मारपीट के 9 वर्ष पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए माटूंदा निवासी शंकरलाल पुत्र कल्याण गुर्जर को 5 साल की सजा और 5 हजार अर्थदंड से दंडित किया है। 24 जून 2016 को फरियादी शोभाजी का खेड़ा निवासी गोवर्धन पुत्र कल्याण सिंह ने रिपोर्ट दी थी कि मुल्जिम ने मेरे भाई शिवराज सिंह पर जान से मारने की नियत से सिर पर वार किया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बाद अनुसंधान सदर थाना द्वारा आरोप पत्र पेश किया।

लोक अभियोजक भूपेंद्र सक्सेना के द्वारा अभियोजन पक्ष की ओर से 9 गवाह, 12 दस्तावेज को प्रदर्शित कराया गया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद दोष सिद्ध होने पर धारा 323 आईपीसी में 6 माह, धारा 324 आईपीसी 2 वर्ष एवं 2 हजार रु जुर्माना ओर धारा 325 आईपीसी में 5 साल की सजा 5 हजार रु जुर्माना धारा 452 भादस में 5 साल की सजा और 5 हजार रु जुर्माना से दण्डित किया। अदम अदायगी जुर्माना अभियुक्त को 2 माह का अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई।

'गर्मी में पानी समस्या आने पर तुरन्त टैंकरों से जल पहुंचाया जाये'

- **मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता जरूरी : कलेक्टर**
- **कलक्टर ने शहर में संचालित विकास कार्यों का लिया जायजा**

बूंदी। जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा ने बुधवार को साप्ताहिक निरीक्षण के दौरान शहर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया, जिसमें खेल संकुल स्थित तरणताल, सड़क मरम्मत कार्य, जैतसागर नाला निर्माण और पेयजल आपूर्ति परियोजनाएं शामिल रहीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने पिछले वर्ष जिन स्थानों पर पेयजल समस्या के कारण टैंकरों से जलापूर्ति की गई थी, उनकी सूची तैयार कर जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से समन्वय बनाए रखने तथा पेयजल समस्या की जानकारी मिलते ही तुरंत टैंकरों से जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने शहर के खेल संकुल परिसर में संचालित तरणताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तरणताल में साफ-सफाई रखने के लिए संचालनकर्ता को निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से पानी की गुणवत्ता पर ध्यान देने और उसे नियमित रूप से जांचने के लिए कहा।जिला कलेक्टर ने तरणताल में महिलाओं के लिए एक अलग लेन निर्धारित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने चेंजिंग रूम और लॉकर रूम का निरीक्षण किया और सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने तथा निर्धारित मानकों के अनुसार संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात, जिला कलेक्टर ने चित्तौड रोड क्षेत्र में चल रहे सीवरेज कनेक्शन और सडक मरम्मत कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और किसी भी प्रकार की खानापूर्ति से बचने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य टिकाऊ होने चाहिए ताकि आमजन को असुविधा न हो। जिला कलक्टर ने बाईपास रोड पर भी सडक मरम्मत के कार्य का निरीक्षण किया और कार्य पूर्ण होने के बाद सड़क पर मलबा न छोड़ने तथा उसे अच्छी तरह से साफ करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों की सफाई प्राथमिकता से होनी चाहिए। साप्ताहिक निरीक्षण के तहत, जिला कलक्टर ने मीरांगेट, महावीर कॉलोनी, मजिस्ट्रेट कॉलोनी, पुलिस लाइन और नैनवां रोड क्षेत्र में जैतसागर नाला निर्माण की प्रगति का भी जायजा लिया। मीरा गेट क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान उन्होंने आरयूआईडीपी के अधिकारियों को नाले की शटरिंग का कार्य शुरू करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस कार्य को प्राथमिकता देने और टीमों की संख्या बढ़ाने के लिए भी कहा।

जिला कलक्टर ने नाला निर्माण के लिए खोदी गई जगहों से मलबा तुरंत हटाने और काम शुरू करने के निर्देश दिए ताकि निर्माण कार्य में तेजी लाई जा सके। जिला कलक्टर ने शहर में संचालित पेयजल आपूर्ति संबंधी कार्यों का भी अवलोकन किया। उन्होंने उच्च जलाशयों से पेयजल की मुख्य लाइन को जोड़ने के कार्य को अतिशीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि इन कार्यों में कोई परेशानी आती है तो तुरंत सूचित किया जाए। जिला कलक्टर ने परीक्षण संबंधी कार्यों को इस सप्ताह में पूरा करने के निर्देश दिए और कहा कि टेस्टिंग के दौरान पेयजल आपूर्ति का शटडाउन लेने से पहले संबंधित क्षेत्र के निवासियों को इसकी जानकारी अवश्य दी जाए। उन्होंने आवश्यकतानुसार ट्यूबवेल लगाने के प्रस्ताव शीघ्र बनाने और स्वीकृत ट्यूबवेल को जल्द से जल्द स्थापित करने के निर्देश दिए।

बारहवीं की छात्रा से दुष्कर्म, मामला दर्ज

श्रीमाधोपुर। 12वीं की एक छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। छात्रा अपने ननिहाल में रहती है।पीड़िता के नाना ने श्रीमाधोपुर पुलिस थाने में शिकायत दी है।

दर्ज रिपोर्ट के अनुसार छह माह पहले नावलाई निवासी रविकुमार सैनी से उसकी दोहिती की मुलाकात हुई थी। आरोपी ने उसे फैंसी मार्केट के एक कैफे में बुलाया। वहां कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया। फिर दुष्कर्म किया। इस दौरान उसने आपत्तिजनक वीडियो भी बना लिया।

वीडियो के जरिए आरोपी ने छात्रा को ब्लैकमेल करना शुरू किया। उसने सीकर बाजार व फैंसी मार्केट के कैफे में कई बार दुष्कर्म किया। आरोपी फाइनेंस का काम करता है। छात्रा एक माह से स्कूल नहीं जा रही थी। नाना ने कारण पूछा तो वह रो पड़ी और पूरी बात बताई। आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पाक पिता की बेटी भारत में ही रहेगी मां के पास

- **श्रीगंगानगर में ही रहेगी, सरकार ने दी इजाजत**

श्रीगंगानगर। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ ते तनाव के बीच डेढ़ साल की पाकिस्तानी बच्ची को उसकी भारतीय मां के साथ भारत में ही रहने की अनुमति दे दी गई है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने भारत में शॉर्ट टर्म वीजा पर आए सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने के निर्देश दिए थे।

इस आदेश के चलते देशभर में पाक नागरिकों की पहचान कर उन्हें वापस भेजा जा रहा था, इसमें श्रीगंगानगर जिले के जैतसर की डेढ़ साल की बच्ची भी शामिल है, जो अपनी मां के साथ यहां रह रही थी। भारत सरकार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए डेढ़ साल की पाकिस्तानी बच्ची को उसकी भारतीय मां के साथ भारत में ही रहने की अनुमति दे दी है। जैतसर थाना प्रभारी इमरान खान ने बताया कि गांव 3 एलसी-ए की रहने वाली भौर रश्मि की शादी करीब तीन साल पहले पाकिस्तान के कराची (उमरकोट) निवासी डॉक्टर धनपत सोडा से हुई थी। शादी के बाद रश्मि पाकिस्तान में ही रह रही थी, जहां उनकी बेटी का जन्म हुआ। रश्मि तीन अप्रैल को अपनी डेढ़ साल की बेटी के साथ भारत स्थित अपने पीहर आई थी। पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद सरकार द्वारा जारी निर्देशों के तहत शॉर्ट टर्म वीजा पर भारत आए पाक नागरिकों को जल्द से जल्द देश छोड़ने को कहा गया। जैतसर पुलिस ने बच्ची के मामले की सूचना उच्चाधिकारियों को दी। जैसे ही मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचा, तो उन्होंने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए निणन्य लिया कि चूंकि बच्ची की मां भारतीय नागरिक है और बच्ची की देखरेख के लिए उसका भारत में रहना आवश्यक है, ऐसे में उसे भारत में ही मां के साथ रहने दिया जाएगा।

युवक की मौत

उदयपुर। बैकरिया थाना क्षेत्र में जीप ने राह चलते युवक को चपेट में ले लिया। जिसकी उपचार के दौरान मैत हो गई। मंगलवार सायं बैकरिया थाना क्षेत्र खाम से तलाई जाते समय बीच रास्ते में जीप ने पिछे से आकर तलोई मेरपुर बैकरिया निवासी नाना पुत्र हिराराम को चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर घायल होने पर उसे उपचार के देवला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां से रैफर करने पर एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया जहां उसकी मौत हो गई।

जानलेवा हमले करने वाले पांच अपराधी गिरफ्तार

टोंक। टोंक सदर थाना क्षेत्र में वृत्ताधिकारी राजेश विद्यार्थी एवं अनुसंधान अधिकारी सत्यप्रकाश व एससी, एसटी सेल टोंक की टीम ने नगर परिषद टोंक के अधिकारीयों व कर्मचारियों पर जानलेवा हमले करने वाले अब तक पॉच आरोपियों गिरफ्तार किया तथा शेष की तलाश जारी। थाना सदर क्षेत्र में सईदाबाद में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के सीमाज्ञान के लिए पहुंचें नगर परिषद कर्मचारियों की टीम पर जानलेवा हमला कर राजकार्य में बाधा पहुँचाने एवं सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ के मामले में आरोपी लालाराम पुत्र रतनलाल जाति माली उम्र 40 साल निवासी सईदाबाद थाना सदर टोंक को गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है, जिसे आज न्यायालय में पेश किया जायेगा। इस प्रकरण में पांच अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। घटना में नगर परिषद कर्मचारियों के दल पर हुए हमले की घटना की सूचना मिलने पर एडीएम टोंक एवं उपखण्ड अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर घटनाक्रम का जायजा लिया गया।

दम तोड़ा

उदयपुर। शहर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में चौकीदार की बीमारी से मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिनों सूरजपोल थाना क्षेत्र होटल अक्षय निवासी गोपजी का खेड़ा आमेट निवासी दलपत सिंह पुत्र सज्जनसिंह की एमबी चिकित्सालय में मौत हो गई। दलपत सिंह 6 माह से होटल अक्षय में रहते हुए चौकीदारी के अलावा सभी काम करता था। जिसकी 26 अप्रैल को अचानक तबीयत खराब होने पर चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उसकी मौत हो गई।

सरपंच सहित ग्राम विकास अधिकारी, स्वच्छता प्रभारी निलंबित

- **मंत्री मदन दिलावर ने किया दुर्गापुर ग्राम पंचायत का निरीक्षण**

कोटा, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्रा मदन दिलावर ने बुधवार को दुर्गापुरा ग्राम पंचायत सरपंच लीला बाई, ग्राम विकास अधिकारी महफूज खान व स्वच्छता प्रभारी चंद्रवीर को निलंबित कर दिया है।

खंड विकास अधिकारी महेश कुमार को 16-सी सी का नोटिस दिया है। जन अभाव अभियोग निराकरण समिति के पूर्व अध्यक्ष भाजपा नेता सत्यनारायण गुप्ता की दिवंगत पुत्री को श्रद्धांजलि देने झालावाड़ पहुंचे शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कोटा लौटते समय अचानक झालरापाटन पंचायत समिति की दुर्गापुरा ग्राम पंचायत का निरीक्षण किया। दिलावर के साथ जिला परिषद झालावाड़ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शंभू दयाल मीणा, खंड विकास अधिकारी महेश कुमार भी मौजूद थे। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर को गांव की सड़कों पर घूमता देखा ग्रामीण इकट्ठे हो गए और मंत्री को सरपंच के खिलाफ शिकायत करने लगे।

मंत्री दिलावर ने इस पर ग्राम विकास अधिकारी महफूज खान को मौके पर बुलाया और ग्रामीणों की शिकायत के बारे में सवाल किया। ग्राम विकास अधिकारी ने कहा की रोज सफाई करवा रहा हूं। इस पर मंत्री दिलावर नाराज हो गए बोला मैं खुद मौके पर हूं और अपनी आंखों से ही गंदगी देख रहा हूं और तुम मुझसे ही झूठ बोल रहे हो। ग्रामीणों ने बताया कि कोई भी सफाई करने पंचायत की तरफ से नहीं आता है। इस पर पंचायती राज मंत्री दिलावर ने मौके पर ही उपस्थित जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शंभू दयाल मीणा को दुर्गापुरा ग्राम पंचायत की सरपंच लीलाबाई ग्राम, विकास अधिकारी महफूज खान तथा स्वच्छता प्रभारी चंद्रवीर को तुरंत निलंबित करने के आदेश दिए। तथा खंड विकास अधिकारी महेश कुमार को 16-सी सी का नोटिस देने के आदेश दिए। इसके बाद मंत्री का काफिला सलोतिया ग्राम पंचायत पहुंचा जहां झरनिया गांव का निरीक्षण किया। नालिया जाम और रस्ते पर कचरे का ढ ेर देख कर मंत्री नाराज हुए।

अवैध बजरी खनन व परिवहन सहित अन्य मामलों में 17 गिरफ्तार

अभियान में पुलिस दल ने दो ट्रैक्टर ट्रॉली व एक डम्पर जब्त किए

निवाई। सदर थाना पुलिस ने डोमिनेशन अभियान के तहत अवैध बजरी खनन व परिवहन सहित अन्य मामलों के 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान आरोपियों से 2 ट्रैक्टर ट्रॉली व एक डम्पर को जब्त किया है।

सदर पुलिस थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशों के तहत अवैध बजरी खनन व परिवहन की रोकथाम को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्रसिंह भाटी व पुलिस वृत्ताधिकारी मृत्युंजय मिश्रा के पर्यवेक्षण में गठित 5 टीमों द्वारा कार्यवाही करते हुए 24 स्थानों पर दबिश देकर 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया है एवं 2 ट्रैक्टर ट्रॉली व 1 डम्पर को जब्त किया है।

उन्होंने बताया कि सदर थाने के नेतृत्व में 20 सदस्यों की गठित 5 टीमों ने कार्यवाही करते हुए बुधवार को अभियान के तहत गिरफ्तारी वारण्टों के आरोपी छीतर बैरवा निवासी राहोली, सयानी सांसी निवासी सांसी बस्ती कैथुनिया, अशोक उर्फ कालु सांसी निवासी अहमदपुरा उर्फ कैथुनिया व केदार मीना निवासी सुनारा शिवाजी कॉलानी को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार 170 बीएनएसएस मामले में

निवाई सदर पुलिस थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन व अन्य माकलों में सत्रह आरोपियों को गिरफ्तार किया।

आरोपी छोटुलाल गुर्जर निवासी चुराडा, चेतन मीणा निवासी हिंगोटिया, मदनलाल मीणा निवासी बाढ छौरिया, गणेश जाट निवासी चतुर्भुजपुरा, हेमराज यादव निवासी गोपालपुरा, बाबुलाल गुर्जर निवासी काली का बाग, दयाराम बैरवा निवासी खण्डवा, जितेन्द्र यादव निवासी झिलाय, सुरजमल जाट निवासी लुहारा, दिलखुश मीणा निवासी देवरी, मुकेश यादव निवासी वनस्थली व कालुराम मीणा निवासी ढाणी जुगलपुरा को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार वांछित प्रकरण में आरोपी हेमराज मीणा निवासी इनायतंगंज रानोली थाना झिराणा को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि अवैध बजरी खनन व परिवहन के मामले में बजरी के 2 ट्रैक्टर ट्रॉली व 1 डम्पर को जब्त किया है।

शराबी पति ने पत्नी पर कुल्हाड़ी से किया वार

अनूपगढ़। एक शराबी पति द्वारा अपनी पत्ना पर कुल्हाड़ी से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना 26 अप्रैल 2025 को वार्ड नंबर एक में चूना फाटक के पास हुई। आरोपी तुलसाराम ने अपनी पत्नी सरोज के सिर, हाथ की कलाई और चेहरे पर कुल्हाड़ी से वार किए। पीड़िता के भाई मनीराम ने पुलिस में शिकायत

- **सिर और जबड़े में गंभीर चोट, बीकानेर पीबीएम अस्पताल में इलाज जारी, आरोपी फरार**

दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनकी बहन का विवाह तुलसाराम से 20 वर्ष पहले हुआ था। दंपति के एक बेटा और एक बेटी है। शादी के बाद से ही तुलसाराम शराब पीकर पत्नी से मारपीट और गाली-गलौज करता था। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल सरोज को पहले अनूपगढ़ के राजकीय चिकित्सालय ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। पिछले चार दिनों से उनका वहां इलाज चल रहा है। जबड़ा टूटने के कारण वह पुलिस को बयान भी नहीं दे पाई हैं। एसआई सरदार सिंह मीणा के अनुसार, आरोपी तुलसाराम घटना के बाद से फरार है। पुलिस संभावित स्थानों पर दबिश देकर उसकी तलाश कर रही है। पीडिता के परिजनों ने आरोपी की गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की है।

पिकअप की टक्कर से दो भाईयों की मौत

पिकअप के असंतुलित होने पर बाइक से टकराने पर हुआ हादसा।

टोंक। सोप थाना क्षेत्र में पिकअप की टक्कर से दो चचेरे भाईयों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनके परिवार में शादी की खुशियां मातम में बदल गई। सोप थानाधिकारी ने बताया कि बूंदी जिले के श्रीपुरा निवासी मेघ सिंह बंजारा के दो भतीजों की आज शादी है, जिसके लिए दोनो चचेरे भाई बदलू सिंह व मेघसिंह मंगलवार को बाइक से इन्द्रगढ़ कस्बे में सब्जी लेने जा रहे थे, रास्ते में सामने से आ रही पिकअप का टायर खुल गया और पिकअप असंतुलित होकर बाइक से टकरा गई, टक्कर तेज गति से होने से बाइक सवार दोनों चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को अस्पताल ले गई, जहां उनका पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पिछोला झील किनारे फिर दिखा लेपर्ड

उदयपुर। शहर की पिछोला झील किनारे एक बार फिर लेपर्ड दिखाई दिया। कार सवार लोगों ने इसका वीडियो बनाया। ये लेपर्ड आर्मी कैंट के पास बुधवार तडके घूम रहा था।

इसी इलाके में सुबह-सुबह लोग मॉर्निंग वॉक करने आते है। यहां दूधतलाई, जलबुर्ज होकर आगे सीसारमा जाने वाले रास्ते पर सुबह बडी संख्या में लोग घूमने आते है। वैसे लोगों ने यहां पर कई बार लेपर्ड का मूवमेंट देखा है। प्रत्यक्षदर्शियो के अनुसार लेपर्ड दूधतलाई से सीसारमा जाने वाले रास्ते पर जलबुर्ज पर दिखाई दिया। लेपर्ड वहां से निकलते हुए सडक पर आया और वापस सडक से कच्चे रास्ते की तरफ गया।जहां लेपर्ड का विचरण देखा गया वहां आस-पास जंगल और पानी है। ये माछला मगरा वन खंड और बांकी वन खंड का इलाका है। यहां वैसे अक्सर लेपर्ड का विचरण रहता है। लेपर्ड यहां माछला मगरा से नीचे उतर कर जलबुर्ज होकर पिछोला में प्यास बुझाने जाता है।

'राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों'

जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी एवं पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने अधिकारियों को दिये निर्देश

जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी एवं पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बुधवार को परीक्षा के आयोजन को लेकर जयपुर के पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय नंबर-2 के सभागार में जिला स्तरीय परीक्षा संचालन समिति की बैठक ली।

- 4 मई को जयपुर के 90 परीक्षा केंद्रों पर 36 हजार से अधिक परीक्षार्थी देंगे परीक्षा
- परीक्षा की सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

जयपुर। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी, नई दिल्ली द्वारा आगामी 4 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा - 2025 के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी अधिकारियों को समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी एवं पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बुधवार को परीक्षा के आयोजन को लेकर जयपुर के पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय नंबर-2 के सभागार में जिला स्तरीय परीक्षा संचालन समिति की बैठक ली एवं परीक्षा के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में समस्त केंद्र अधीक्षकों, को सफल बनने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में अधिकारियों को राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा के आयोजन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की सख्त हिदायत दी गई। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को नकल एवं पेपर लीक को रोकने के लिए संभव प्रयास सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है। जिला परीक्षा संचालन समिति के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) गोपाल सिंह शेखावत ने जानकारी दी कि 4 मई, 2025 को दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक (दिव्यांगजनों के लिए दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक) जयपुर जिले के 90 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा का आयोजन होगा जिसमें 36 हजार 24 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए 6 शहर समन्वयक एवं 90 केन्द्र अधीक्षकों की नियुक्ति की गई है।

पुलिस अधिकारियों को भर्ती परीक्षा में किसी भी प्रकार की नकल अथवा अनियमितता की सूचना पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई को अंजाम देते हुए परीक्षा का आयोजन पूर्ण सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश प्रदान किये गए। पुलिस सहित सभी सुरक्षा एजेंसियां इस दौरान सतर्क एवं मुस्तैद रहेगी एवं परीक्षा का सफल एवं सुचितापूर्ण आयोजन सुनिश्चित करेंगी।

जिला परीक्षा संचालन समिति के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) गोपाल सिंह शेखावत ने जानकारी दी कि परीक्षा के आयोजन के दौरान पेपर लीक एवं नकल सहित अन्य प्रकार की विधि विरुद्ध गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों के उपयोग की रोकथाम) अधिनियम के कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों के उपयोग की रोकथाम) अधिनियम के यह हैं प्रावधान

राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम-2022 (2022 का अधिनियम संख्याक 6) एवं संशोधन अधिनियम 2023 (2023 का अधि. संख्याक-17) की धारा 10 (1) के अन्तर्गत 3 वर्ष का कारावास और एक लाख रुपये का जुर्माना से दंडित किया जाएगा, जुर्माना नहीं होने पर 9 माह के कारावास से दण्डित किया जाएगा। इसी तरह धारा 10 (2) के अन्तर्गत 10 वर्ष का कारावास जो आजीवन कारावास तक का हो सकेगा और जुर्माना 10 लाख रूपये जो 10 करोड़ तक का हो सकेगा से दण्डित किया जाएगा, जुर्माना नहीं देने पर 5 वर्ष का कारावास और हो सकेगा। इस प्रकार के संगीन अपराध करने पर दोषी व्यक्तियों की सम्पत्ति की कुर्की और अधिहरण भी किया जा सकेगा।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त योगेश दाधीच, पुलिस उपायुक्त शाहीन सी. सहित पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ.पूनिया के जयपुर आवास पहुंचे मोहन यादव और शिवराज सिंह चौहान

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व केंद्रीय कृषि मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के जयपुर आवास पर पहुंचकर उनसे भेंट की।

जयपुर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व केंद्रीय कृषि मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के जयपुर आवास पर पहुंचकर पुत्र महीप और पुत्रवधु सिप्पी को सुखमय, खुशहाल, मंगलमय दांपत्य जीवन के लिये आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर सतीश पूनिया ने शॉल-साफा ओढ़ाकर मोहन यादव व शिवराज चौहान का स्वागत-सत्कार किया, उन्होंने कहा कि जयपुर स्थित निज आवास पर पधारे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं मेरे मित्र डॉ. मोहन यादव से आत्मीय भेंट हुई। इस दौरान विद्यार्थी परिषद से लेकर पार्टी से जुड़े अनेक संस्मरण ताजा हो गए, डॉ. मोहन जनता के सच्चे सेवक हैं। आज निज निवास पधारकर नवयुगल महीप और शिप्पी को आशीर्वाद दिया।

डॉ. पूनिया ने शिवराज सिंह चौहान से भेंट को लेकर कहा कि, जयपुर स्थित आवास पर पधारे जनप्रिय केंद्रीय कृषि मंत्री एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भाई शिवराज सिंह चौहान के साथ काम करने का मौका मिला, उनका सानिध्य हमेशा प्रेरणा देने वाला है। आज जयपुर पधारकर शिवराज चौहान ने नवयुगल महीप एवं सिप्पी को आशीष दिया, हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

गर्मी बढ़ी तो जुगाड़ भी बढ़ने लगे। गांधी नगर मोड़ पर रेड लाइट पर गाड़ी रोकने पर धूप और गर्मी से बचाने के लिए हरा कपड़ा लगाया गया है।

देने थे 7.35 लाख, मांग लिए 15.57 लाख

- कोर्ट ने लगाया 5 लाख रुपए का हर्जाना

जयपुर। वाणिज्यिक अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने अदालत में झूठा शपथ पत्र देने और अदालती समय खराब करने के लिए फिजूल का प्रार्थना पत्र पेश करने पर अपीलार्थी डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज पर पांच लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही अदालत ने शपथ पत्र पेश करने वाले एनपी जैन को नोटिस जारी की जवाब तलब किया है। अदालत ने कहा है कि हर्जाना राशि एक माह में हाईकोर्ट के पक्षकार वेलफेयर फंड में जमा कराई जाए। वहीं अदालत ने गंगानगर शुगर मिल लि. को कहा है कि वह अपनी बकाया राशि की वसूली के लिए कानूनी कार्रवाई अमल में लाने के लिए स्वतंत्र है।

पीठासीन अधिकारी दिनेश कुमार गुप्ता ने कहा कि प्रार्थी कंपनी ने गंगानगर शुगर मिल को 7.35 लाख रुपए का कम भुगतान दिया था। इसके बावजूद बिना किसी आधार उसने वसूली प्रार्थना पत्र पेश कर ब्याज सहित 15.57 लाख रुपए की मांग कर दी। यह प्रार्थना पत्र बीते 11 साल से लंबित है, जो ना केवल न्यायिक प्रक्रिया के घोर दुरुपयोग कर श्रेणी में आता है, बल्कि इसमें शुगर मिल का भी श्रम और धन व्यय होने के साथ ही अदालत का समय बर्बाद हुआ है।

घर-घर पढ़ा जाए संविधान : दिया कुमारी

जयपुर। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान पखवाड़ा के अंतर्गत आज उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के अंबेडकर सर्किल पर आयोजित विचार संगोष्ठी में शामिल हुई। इस अवसर पर उन्होंने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर संविधान निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया। साथ ही उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं आमजन को संबोधित कर अम्बेडकर जी के विचारों को आत्मसात करने और समरस, समावेशी, समानता-आधारित समाज के निर्माण में अपना योगदान देने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि हमें सिर्फ पखवाड़ा मना कर इति श्री नहीं करनी चाहिए, बल्कि घर-घर में संविधान पढना चाहिए। हर व्यक्ति को संविधान की जानकारी होनी चाहिए। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, पूर्व सांसद रामकुमार वर्मा, सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित भी रहे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से बुधवार को सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने राजभवन पहुंचकर मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

'अब बैंकिंग के लिए पतंजलि की भरुवा सॉल्यूशंस का सॉफ्टवेयर निभाएगा अग्रणी भूमिका'

- भाषा, बुद्धिमत्ता और नवाचार के माध्यम से भारत के बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाना है

नई दिल्ली। पतंजलि समूह की प्रौद्योगिकी शाखा भरुवा सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने संचालित, बहुभाषी (द्विभाषी) 360 बैंकिंगसिस्टम के शुभारंभ के साथ भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में अपने रणनीतिक प्रवेश की घोषणा की। यह अगली पीढ़ी का प्लेटफ़ॉर्म क्षेत्रीय,सहकारी और छोटे वित्तीय संस्थानों को बुद्धिमान,समावेशी और अनुपालन तकनीक के साथ सशक्त बनाकर डिजिटल बैंकिंग में क्रांति लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। भरुवा का अत्याधुनिकप्लेटफॉर्म (बी-बैंकिंग) चार महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के उद्देश्य से बनाया गया है,जो लंबे समय से भारत के बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार और समावेशिता में बाधा बन रही हैं।

भारत की भाषाई विविधता के साथ,अधिकांश बैंकिंग सेवाएँ अंग्रेजी तक ही सीमित हैं, का द्विभाषी समाधान बैंकों को अंग्रेजी और उनकी स्थानीय भाषा दोनों में ग्राहकों की सेवा करने की सुविधा प्रदान करता है, उदाहरण के लिए, गुजरात में गुजराती, पंजाब में पंजाबी-सभी नागरिकों के लिए पहुँच और उपयोग में आसानी सुनिश्चित करता है। प्लेटफ़ॉर्म में डेटा,लेन-देन और डिजिटल इंटरैक्शन के लिए व्यापक सुरक्षा प्रदान करने के लिए अत्याधुनिकऔर साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल शामिल हैंइस बैंकिंग सिस्टम को एंड-टू-एंड बैंकिंग परिवर्तन के लिए डिज़ाइन किया गया है,सिस्टम मेंबैंकिंग, मॉड्यूल, टूल और निर्बाध संचालन और अनुपालन के लिए वर्कफ़्लो ऑटोमेशन सहित मजबूत क्षमताएँ हैं। आधिकारिक भाषा अधिनियम, 1963और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के साथ पूरी तरह से संरेखित,यह समाधान वित्तीय संस्थानों में द्विभाषी सॉफ़्टवेयर के लिए सरकारी आदेशों के अनुपालन को सुनिश्चित करता है। पतंजलि समूह के संस्थापक और प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण ने तकनीकी समावेशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत कई भाषाओं वाला देश है,फिर भी हमारा बैंकिंग बुनियादी ढांचा मुख्य रूप से अंग्रेजी में संचालित होता है जिससे बहुसंख्यक अलग-थलग पड़ जाते हैं। भरुवा सॉल्यूशंस एक परिवर्तनकारी उत्पाद लॉन्च कर रहा है जो तकनीकी रूप से बेहतर,कार्यात्मक रूप से व्यापक और भाषाई रूप से समावेशी है,जो आधिकारिक भाषा अधिनियम1963के साथ संरेखित है।

विधानसभा के तृतीय अधिवेशन का सत्रावसान

जयपुर। विधानसभा के तृतीय अधिवेशन का सोमवार को सत्रावसान किया गया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि इससे विधायकों को नये सिरे से प्रश्न पूछने का मौका मिलेगा। अब प्रत्येक विधायक प्रत्येक सप्ताह में एक अंत:सत्र कालीन अतारांकित प्रश्न पूछ सकता है। ऐसे प्रत्येक प्रश्न का उत्तर राज्य सरकार को 30 दिवस की अवधि में सीधा सदस्य को अवश्य भेजना होगा और उत्तर की एक प्रति विधानसभा को भी भेजनी होगी। देवनानी ने बताया कि इससे लोक महत्व के विषय पर विधायकगण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। लोकतंत्र में आमजन की समस्याओं के निराकरण में इससे बड़ी मदद मिलती है।

किसानों को हर हाल में दिन में बिजली उपलब्ध कराएंगे : भजनलाल शर्मा

- 'पीक डिमांड अवधि में निर्बाध बिजली आपूर्ति हो सुनिश्चित, आमजन को नहीं हो कोई परेशानी'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हर घर-हर खेत बिजली निर्बाध रूप से उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हमारी सरकार प्रदेश के किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध करवाने एवं औद्योगिक क्षेत्र के लिए सुचारू बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विद्युत उत्पादन से लेकर प्रसारण एवं वितरण तंत्र का दूरदर्शिता के साथ सुदृढ़ीकरण किया जाए। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री आवास पर ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को देखते हुए पीक डिमांड अवधि में विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाए रखा जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी ना हो।

शर्मा ने कहा कि बिजली उपलब्धता एवं मांग की समीक्षा करते हुए कहा कि रबी सीजन के दौरान किसानों को एवं फरवरी से अब तक की पीक डिमांड पर उपभोक्ताओं को राज्य सरकार ने निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की है। उन्होंने विद्युत उत्पादन की सभी यूनिट्स के संचालन को सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य की मांग को देखते हुए उत्पादन के वैकल्पिक स्त्रोत तैयार किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर हाल में किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। केन्द्र सरकार ने राज्य सरकार के अनुरोध पर पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत 5 हजार मेगावाट का अतिरिक्त आवंटन किया। उन्होंने इस संबंध में जीएसएस से स्थापित किए जाने वाले विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए।

'शोरूम के लिए पूर्व में आवंटित छोटी दुकानों का आवंटन रद्द नहीं किया जा सकता'

जयपुर। राजस्थान रेरा अपीलेट अधिकरण ने एक बिल्डर की ओर से दायर की गई अपील को खारिज करते हुए कहा कि इमारत में बड़ा शोरूम खोलने के आशय से बिल्डर की ओर से पूर्व में आवंटित की गई छोटी दुकानों का आवंटन रद्द नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही अधिकरण ने कहा कि व्यवसायिक परिसर में मूल मानचित्र में प्रस्तावित छोटी दुकानों को तोड़कर एक बड़ी दुकान बनाना मूल मानचित्र के परिवर्तन की श्रेणी में आता है, जो कि बिल्डर द्वारा रैरा एक्ट के अनुसार आवंटियों की सहमति के बिना नहीं किया जा सकता है। पीठासीन अधिकारी युधिष्ठिर शर्मा एवं राजेन्द्र कुमार विजयवर्गीय ने यह आदेश विवो सिटी मॉल की ओर से दायर की गई अपील पर दिए। आवंटी मुकेश चन्द्र मित्तल के अधिवक्ता मोहित खण्डेलवाल ने बताया कि आवंटी ने साल 2018 में विवो सिटी मॉल में अपने पुत्र के लिए एक दुकान बुक करवाई थी और 90 प्रतिशत से अधिक राशि का भुगतान उस समय ही बिल्डर को कर दिया गया था। वहीं बिल्डर ने साल 2023 में अपनी मनमर्जी से बिना आवंटी की सहमति के आवंटी की दुकान का आवंटन रद्द कर दिया।

राज्य सरकार के नदियों के जीर्णोद्धार तथा वेस्ट वाटर मैनेजमेंट के कार्य प्रशंसनीय : राससमस अबिलगार्ड

नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बुधवार को आवासन मंडल में डेनमार्क के राजदूत राससमस अबिलगार्ड और उनकी टीम के साथ बैठक की।

जयपुर। नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि डेनमार्क की अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर राज्य सरकार ब्लू-ग्रीन सोल्यूशन के कार्य कर रही है।

खर्रा बुधवार को आवासन मंडल में डेनमार्क के राजदूत रससमस और उनकी टीम के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2017 में सिटी टू सिटी कोलैबोरेशन के तहत उदयपुर और आरहस,डेनमार्क के बीच एमओयू किया गया था। यह एमओयू वर्ष 2030 तक मान्य है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इस एमओयू के तहत वेस्ट वाटर को संसाधन के तौर पर उपयोग करना, एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन, नदियों के जीर्णोद्धार एवं ब्लू ग्रीन सॉल्यूशन तथा जलापूर्ति जैसे कार्य किए जा रहे हैं।

आवासन मंत्री ने कहा कि प्रदेश के नवलगढ़, उदयपुर व जयपुर में सस्टेनेबल विकास के लिए राजस्थान एवं आरहस, डेनमार्क के अधिकारियों द्वारा आपसी सामंजस्य से कार्य करना इस एमओयू का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एमओयू के तहत हो रहे कार्यों को प्राथमिकता से गुणवत्तापूर्ण तरीक़े से क्रियान्वित कर रही है। उन्होंने बताया की डेलावास एवं उदयपुर एसटीपी पर वेस्ट वाटर को संसाधन के तौर पर उपयोग करने के कार्य पायलट प्रोजेक्ट के रूप में किए जा रहे हैं साथ ही गुमानिया नाला उदयपुर में जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है इसके साथ ही एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन में नवलगढ शहर को पायलट सिटी के रूप में लिया गया है। डेनमार्क के राजदूत राससमस अबिलगार्ड ने कहा की राजस्थान में चल रहे विकास कार्य अपने आप में एक मिसाल है। उदयपुर में चल रहे नदियों के जीर्णोद्धार के कार्यों तथा डेलावास के एसटीपी में चल रहे वेस्ट वाटर मैनेजमेंट के कार्यों की उन्होंने सराहना की। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने कहा की डेनमार्क के साथ मिलकर हमे अर्बन ट्रांसपोर्ट पर काम करने की आवश्यकता है। एक दशक पहले निजी वाहनो की पंजीकरण संख्या करीब 19 लाख थी जो आज बढ़कर 38 लाख हो गई है यही वजह हैकिट्रैफिक जाम होने लगा है। हमे साथ मिलकर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास करने होंगे।

इस बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक इंद्रजीत सिंह, रुडसिको के कार्यकारी निदेशक पीयूष सामरिया, मुख्य अभियंता अरुण व्यास सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रश्न पत्र लीक करने का दावा करने वाले व्यक्ति व वेबसाइट से रहें सावधान

जयपुर। नीट-यूजी 2025 परीक्षा के पेपर लीक के नाम पर हो रही साइबर ठगी के संबंध में एक एडवाइजरी जारी की गई है। राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड एवं राजस्थान साइबर क्राइम शाखा ने छात्रों और अभिभावकों को ऐसे धोखेबाजों से सावधान रहने की सलाह दी है जो नीट-यूजी का पेपर लीक होने का दावा करके पैसे ठगने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें स्पष्ट किया है कि इस परीक्षा की प्रक्रिया अत्यंत सुरक्षित और गोपनीय है और पेपर लीक होने की कोई संभावना नहीं है।

पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने एवं आमजन में साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से राज्य में लगातार प्रयास किये जा रहे है। इसी क्रम में देशभर में आयोजित होने वाली नीट-यूजी, 2025 परीक्षा का पेपर लीक- प्राप्त करने की भ्रामक सूचनाओं से अभिभावकों से लाखों रुपये ठगने के तरीके टेलीग्राम एप्प व अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से अपनाये जा रहे हैं।

डीजी प्रियदर्शी ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए देशभर में आगामी 4 मई को नीट यूजी 2025 परीक्षा आयोजित होने जा रही है।

निराश्रितों को आश्रय देने वालों के मनाते हैं जयंती और बलिदान दिवस : रोलसाहबसर

- कुशल प्रशासक थे महाराव शेखा : देवनानी

जयपुर। श्री क्षत्रिय युवक संघ के अनुषांगिक संगठन श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा 30 अप्रेल को विधानसभा के कांस्टीट्यूशन क्लब में महाराव शेखाजी का बलिदान दिवस श्री क्षित्रय युवक संघ के संरक्षक भगवान सिंह रोलसाहबसर, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, सांसद राव राजेन्द्र सिंह, हरियाणा प्रदेश प्रभारी भाजपा सतीश पूनिया, पूर्व न्यायाधिपति आर एस राठौड़ एवं पूर्व सांसद राम कुमार वर्मा के आतिथ्य में सर्व समाज के नागरिकों की उपस्थिति में मनाया गया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि शेखावाटी के संस्थापक महाराव शेखा कुशल प्रशासक रहे हैं। उनके जीवन से स्वाभिमान, स्वतंत्रता, महिला सम्मान की प्रेरणा मिलती है।

श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक भगवान सिंह रोलसाहबसर ने कहा कि हमारे महापुरुष हमारी वर्तमान समस्याओं के निराकरण के लिए पगडंडी नहीं अपितु महामार्ग बनाकर गये हैं, हमें केवल उनका अनुसरण करना है। उन्होंने कहा कि जयंतियां व बलिदान दिवस उन महापुरूषों की मनाई जाती हैं जो सबको साथ लेकर निराश्रितों को आश्रय देते हैं। शेखा जी ने आज से 600 वर्ष पूर्व जनतंत्र की स्थापना की जो हमारे लिए प्रेरणा दायी है।

राव राजेन्द्र सिंह ने कहा कि समाज केवल एक जाति नहीं बल्कि वह उन लोगों का समूह है जो समाज को व्यवस्थित करने का काम करता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम जहां योग्यतम के अस्तित्व की बात करता है वहीं हमारी संस्कृति सर्वाधिक कमजोर के अस्तित्व की बात करती है। उन्होंने कहा कि महाराव शेखा ने 55 वर्ष की उम्र में 55 युद्ध लड़े जिनमें से एक में भी पराजित नहीं हुए। वे बोले कि धर्म चरित्र का निर्माण नहीं करता बल्कि व्यक्ति की वाणी की सत्यता ही चरित्र निर्माण करती है। हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा कि स्त्री के सम्मान के लिए युद्ध करने का उदाहरण महाराव शेखा जी के जीवन से मिलता है। श्री क्षित्रय युवक संघ ने एक संस्कार वान पीढी को आगे बढाने का काम किया है।

कोटा-बूंदी में बारदाने की नहीं होगी किल्लत

कोटा (निस)। कोटा-बूंदी क्षेत्र के गेहूं खरीद केंद्रों पर बारदाने की कमी से किसानों को उपज बेचने में आ रही दिक्कतों के समाधान को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के चेयरमैन को तत्काल निदान के निर्देश दिए हैं। बुधवार को बड़ी संख्या में किसान प्रतिनिधिमंडल ने स्पीकर

- **एफसीआई चेयरमैन को स्पीकर बिरला ने दिए त्वरित समाधान के निर्देश**
- **बारदाने की कमी के कारण तुलाई में समय अधिक लग रहा था**

बिरला को अवगत कराया कि खरीद केन्द्रों पर बारदाने की कमी के कारण तुलाई में समय अधिक लग रहा है, इसके चलते किसान अपनी फसल को कम दाम पर ही बेचने को मजबूर हो जाते हैं। स्पीकर बिरला के निर्देश के बाद एफसीआई ने अगले कुछ दिनों में कोटा-बून्दी के लिए 20 लाख जूट के बारदानों की व्यवस्था करने का निर्णय लिया। इसके अतिरिक्त, त्वरित राहत के रूप में कोटपुतली, कोलकाता और कानपुर से प्लास्टिक के बारदाने (बोरी) कोटा-बूंदी भेजे जाएंगे।

एफसीआई राजस्थान के महाप्रबंधक सौरभ चौरसिया ने जानकारी दी कि अगले कुछ दिनों में क्षेत्र को रोजाना 400 वेल्स (2 लाख बोरियों) की आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे खरीद कार्य प्रभावित नहीं होगा। उन्होंने बताया कि अब तक कोटा में 1.18 लाख मैट्रिक टन तथा बूंदी में 1.20 लाख मैट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है और यह प्रक्रिया सतत जारी है। खरीद केंद्रों पर बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता के चलते अब किसानों को घंटों प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी और फसल का उठाव बाधित नहीं होगा।

गत्ता फैक्ट्री में भीषण आग लगी

इलाके में अफरा-तफरी मच गई, 50 से अधिक दमकल ने पाया आग पर काबू

अजमेर पालरा स्थित रीको इंडस्ट्रियल एरिया में आग लगने से अफरा तफरी का मौहाल हो गया।

अजमेर, (कासं)। पालरा स्थित रीको इंडस्ट्रियल एरिया में बीती देर रात एक बड़ी आग आग लग गई। यह आग अग्रोदिया प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड की फैक्ट्री में लगी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। फैक्ट्री में कागज का गत्ता तैयार किया जाता है, जिसकी वजह से आग तेजी से फैल गई।

- **अग्निकांड में करोड़ों रुपए के नुकसान का अंदेशा जताया जा रहा है क्योंकि फैक्ट्री में तैयार माल और कच्चा माल बड़ी मात्रा में मौजूद था।**
- **फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में केमिकल भी मौजूद था जिसे समय रहते निकाल लिया गया नहीं तो यह हादसा और भीषण हो सकता था।**

आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग हरकत में आया और आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं. दमकल की करीब 50 गाड़ियां मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया गया। आग की भीषणता को देखते हुए आसपास के इलाकों से भी दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया है।

अग्निकांड में करोड़ों रुपए के नुकसान का अंदेशा जताया जा रहा है क्योंकि फैक्ट्री में तैयार माल और कच्चा माल बड़ी मात्रा में मौजूद था। आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में केमिकल भी मौजूद था जिसे समय रहते निकाल लिया गया नहीं तो यह हादसा और भीषण हो सकता था। चीफ फायर ऑफिसर जगदीश प्रसाद और पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं और स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन की प्राथमिकता आग को फैलने से रोकना और जल्द से जल्द इस पर काबू पाना है।

इस घटना में सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि समय रहते सभी मजदूर फैक्ट्री से बाहर निकल गए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

विभिन्न परीक्षाओं में संशोधन का अवसर

अजमेर , (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा जुलाई माह में आयोजित होने वाली विभिन्न परीक्षाओं में 1 से 7 मई 2025 तक अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि व जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन किए जा सकेंगे। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि आयोग द्वारा तकनीकी सहायक भू-भौतिकी (भू-जल विभाग) परीक्षा, 2024 तथा बायोकेमिस्ट (चिकित्सा शिक्षा विभाग) परीक्षा, 2024 का आयोजन 7 जुलाई 2025, कनिष्ठ रसायनज्ञ (भू-जल विभाग) परीक्षा, 2024 एवं सहायक परीक्षण अधिकारी (सार्वजनिक निर्माण विभाग) परीक्षा, 2024 का आयोजन 8 जुलाई 2025, सहायक निदेशक (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग) परीक्षा, 2024 का आयोजन 9 जुलाई 2025 एवं अनुसंधान सहायक (मूल्यांकन विभाग) परीक्षा, 2024 का आयोजन 10 जुलाई 2025 को किया जाना प्रस्तावित है। उक्त परीक्षाओं के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित शर्तों अनुसार ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों को दिया गया है। ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों के हितार्थ सुविधा मात्र है। परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित पात्रता की शर्तों के अनुरूप ही संशोधन मान्य होंगे। विज्ञापन की शर्तें पूर्वानुसार ही रहेंगीं। ऑफलाइन संशोधन स्वीकार नहीं किए जाएंगें।

वीरेंद्र सिंह के निधन पर शोक व्यक्त

अजमेर, (कासं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी रहे महेंद्र सिंह रलावता ने आज अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव वीरेंद्र सिंह राठौर के करनाल स्थित निवास स्थान पर पहुंचकर उनके पिता हरियाणा पंजाब बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौर के आकस्मिक निधन पर पुष्पांजलि अर्पित की । इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं राहुल गांधी के निजी सहायक कनिष्क सिंह ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

बाल सम्प्रेषण व किशोर गृह में भोजन की सुविधा देखी

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किशोर गृह का किया निरीक्षण

विशाल भार्गव (अपर जिला न्यायाधीश) सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बाल सम्प्रेषण गृह व किशोर गृह में दी जाने वाली सुविधाओं का निरीक्षण किया।

भीलवाड़ा । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार आज विशाल भार्गव (अपर जिला न्यायाधीश) सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाडा ने बाल सम्प्रेषण गृह, सुरक्षीत स्थान, किशोर गृह एवं शिशु गृह पालडी भीलवाडा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया भार्गव , सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाडा द्वारा उपस्थित अधिकारी धर्मराज पत्रिहार से राजकीय संप्रेषण एवं बाल गृह पालडी से किशोरो के स्वास्थ्य तथा उनको दी जा रही अन्य चिकित्सा सुविधाओं के सम्बंध में विस्तृत जानकारी ली ।

आरोपी की प्रोडक्शन वारंट पर होगी गिरफ्तारी

सुरक्षा की दृष्टि से आरोपी को अलग बैरिक में रखा

भीलवाड़ा। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में गत दिनों हुई चौकीदार की हत्या और जांच के लिए बापूनगर पहुंची पुलिस को मिली हत्यारे के दो दोस्तों की लाश के मामले में गिरफ्तार आरोपी दीपक को प्रोडक्शन वारंट के तहत प्रताप नगर थाना पुलिस गुरुवार को गिरफ्तार कर मामले की गहनता से जांच शुरू करेगी।

थाना प्रभारी सुरजीत सिंह ने बताया कि अय्यपा मंदिर के चौकीदार के साथ ही अपने दो दोस्तों की निर्मम हत्या कर उनके प्राइवेट पार्ट काट देने के आरोपित दीपक नायर को मंगलवार सुभाषनगर पुलिस ने रिमांड खत्म होने पर अदालत में पेश किया, जहां से उसे आदेश के बाद जेल भिजवा दिया। सुरक्षा की दृष्टि से आरोपित को अलग बैरिक में अकेले ही रखा है। गत दिनों दीपक ने रमा विहार कॉलोनी में स्थित अय्यपा मंदिर के चौकीदार मलाण निवासी लालसिंह रावणा राजपूत की रात्रि के समय निर्मम हत्या कर उसका प्राईवेट पार्ट काट दिया था। इस मामले में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। इस दौरान मौका तस्दीक करने जब सुभाषनगर पुलिस आरोपित के बापूनगर स्थित घर पहुंची तो वहां आरोपित दीपक के ही दो दोस्तों संदीप और मोनू के क्षत-विक्षत शव अधजली हालत में मिले थे। इस संबंध में प्रताप नगर पुलिस ने अलग से केस दर्ज किया था। इस बीच, मंगलवार को आरोपित दीपक को पुलिस ने अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भिजवा दिया। जेल अधीक्षक भैंरूसिंह राठौड ने बताया कि ट्रिपल मर्डर के आरोपित दीपक को जेल के एक अलग बैरिक में अकेले रखा गया है। जेल स्टॉफ चौकसी बरते हुये है। सिंह ने बताया कि जिस बैरिक में दीपक को रखा गया, उसमें अमूमन 40 बंदियों को रखा जाता है, लेकिन खुंखार प्रवृत्ति के दीपक को इस बैरिक में सुरक्ष की दृष्टि से अकेले रखा गया है। वहीं दूसरी डबल मर्डर के आरोप में दीपक को संभवतया प्रताप नगर पुलिस प्रोडक्शन वारंट के तहत गुरुवार को गिरफ्तार करेंगी।

आमने सामने दो बाइक की भिड़ंत में तीन श्रमिकों की मौत

दो श्रमिक घायल जिनका अस्पताल में उपचार किया

उदयपुर । उदयपुर झाड़ोल मार्ग पर आमने सामने दो बाइक की भिडंत हो गई। हादसे में तीन श्रमिकों की मौत हो गई तथा दो श्रमिक घायल हो गए।

- **उदयपुर झाड़ोल मार्ग पर आमने सामने दो बाइक की भिड़ंत होने से तीन श्रमिकों की मौत हो गई तथा दो श्रमिक घायल हो गए।**
- **पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की**

मंगलवार रात में उदयपुर झाड़ोल मार्ग नाई थाना क्षैत्र उन्दरी रोड़ पर आमने सामने दो बाईक की भिडंत हो गई। हादसे में लक्ष्मण पुत्र भगवानलाल निवासी कुँम्हारिया खेड़ा, प्रेम पुत्र लालू मीणा निवासी कुम्हारिया खेड़ा राजवास, सुनिल पुत्र अमरा निवासी माकड़ा देव की मौत हो गई तथा मावा पुत्र प्रभू निवासी कुम्हारिया खेड़ा तथा माकड़ा देव निवासी पिन्टू पुत्र बाबुलाल घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। लक्ष्मण मावा व प्रेम मजदूरी कर बाइक पर उदयपुर से कुम्हारिया खेड़ा की तरफ जा रहे थे एवं पिन्टू सुनिल बाइक पर माकडा देव से उदयपुर जा रहे थे। जहां बीच रास्ते दोनों की आमने सामने भिडंत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर नाई थानाधिकारी लीलाराम मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर सभी को मौके से एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां लक्ष्मण, प्रेम व सुनिल की मौत हो गई तथा साथी घायल हो गए इधर घटना के दूसरे दिन एएसआई अमीन लाल ने मृतकों को पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

फर्जी रजिस्ट्री कराने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, । कुराबड़ थाना पुलिस ने जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराने के मामले में मुख्य आरोपी शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार पीडित रामसिंह पुत्र भूरसिंह निवासी तलामगरी आन्लापा साकरोदा प्रतापगर ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें पीडित ने बताया कि 6 मार्च 25 को तहसील से सूचना मिली की मेरे पिता भूरसिंह बन कर जमीन की कोई रजिस्ट्री करा रहा है। इस पर परिजनों सहित मौके पर पहुंचा तो तलामगरी साकरोदा पर स्थित हमारी पुस्तेनी जमीन को मेरे पिताजी का फर्जी फोटों व आधार कार्ड लगा कर अन्य व्यक्ति के नाम पर रजिस्ट्री करवाई जा रही थी। जो पड़ोसी शंभूसिंह पुत्र भानसिंह व अन्य द्वारा कराई जा रही थी। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में कुराबड़ थानाधिकारी प्रभुलाल के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाहीं की।

सड़क किनारे खड़े 4 दोस्तों को कैंपर ने कुचला

नोखा । दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। करनेतपुरा श्री बालाजी निवासी जवाहरलाल नायक ने नोखा थाने में मामला दर्ज करवाया है। उसने बताया कि 27 अप्रैल की शाम को उसके छोटे भाई का लड़का दिनेश (22) व चचेरा भाई महावीर (24) दोनों मोटरसाइकिल पर सवार होकर नोखा से श्रीबालाजी की ओर जा रहे थे। जब वे नेशनल हाईवे 62 पर नोखा में महादेव होटल से कुछ दूर आगे पहुंचे।

वहां पर सड़क किनारे बाइक खड़ी कर कुछ लोगों से बात कर रहे थे, इसी दौरान नागौर की तरफ से आ रही कैंपर गाड़ी के चालक ने रोड किनारे खड़े दिनेश, महावीर, पीराराम और हरीश को टक्कर मार दी। इससे चारों जने घायल हो गये। भगवानाराम व अन्य व्यक्ति उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर गए। जहां से उन्हें बीकानेर रेफर कर दिया। जहां रात को दिनेश और महावीर की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं दूसरी दुर्घटना भाम्मटसर के पास हुई जिसकी रिपोर्ट

- **नागौर की तरफ से आ रही कैंपर गाड़ी के चालक ने रोड किनारे खड़े दिनेश, महावीर, पीराराम और हरीश को टक्कर मारी**

बाड़मेर के धोलाराम जाट ने नोखा थाने में दर्ज करवाई है। उसने बताया कि 27 अप्रैल उसका भतीजा अमराराम जाट निवासी खारी जिला बाड़मेर भाम्मटसर से नोखा की तरफ बाइक पर जा रहा था। उतने में एक गाड़ी गलत साइड से आई और उसके भतीजे को टक्कर मार दी। इससे वह घायल हो गया।

उसे लाइज के लिए बीकानेर ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं पुलिस ने दोनों मामले की जांच शुरू कर दी है।

रेलवे ट्रेक पर काम करते समय दो रेल कर्मचारी आए सवारी गाड़ी की चेपट में

गंगापुर सिटी । पटना-कोटा ट्रेन की चपेट में आने से दो रेल कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। कर्मचारी रेलवे ट्रैक पर काम कर रहे थे। हादसा दिल्ली-मुंबई रेल लाइन पर छोटी उदई स्टेशन के पास सुबह साढ़े 10 बजे हुआ। रेलवे के सहायक असिस्टेंट सिग्नल अजहरुद्दीन ने बताया कि कांकर रेती गांव निवासी तकनीशियन गोवर्धन सैनी (28) और खोहरा गांव निवासी हेल्पर दिनेश मीणा (35) ट्रेक पर काम कर रहे थे। इसी दौरान गंगापुर से दिल्ली की ओर मालगाडी गुजर रही थी। जिसके कारण दोनों कर्मचारी दूसरी लाइन पर गए। इसी दौरान कोटा-पटना ट्रेन (13237) आ गई। दोनों कर्मचारी पटरी पर ही थे। ट्रेन इतनी तेजी से आई कि दोनों को संभलने का मौका नहीं मिला। ट्रेन की चपेट में आने से दोनों के शरीर के चीथडे उड गए। मौके पर ही दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनो को सौप दिया। सहायक असिस्टेंट सिग्नल अजहरुद्दीन ने बंविल पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों के शरीर के अंगों को एकत्र कर मिनी ट्रक से गंगापुर अस्पताल लाया गया। शवों को मॉर्चुरी में रखवाया गया। रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे। दोनों मृतकों के परिजनों को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही परिजन गंगापुर अस्पताल पहुंचे।

- **दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनो को सौपा**
- **हादसा दिल्ली-मुंबई रेल लाइन पर छोटी उदई स्टेशन के पास सुबह साढ़े 10 बजे हुआ।**

रेल कर्मचारियों में भारी आक्रोश : सहायक असिस्टेंट सिग्नल अजहरुद्दीन ने बताया कि मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। घटना के बाद रेल कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि स्टाफ की कमी के कारण काम का दबाव बढ़ता जा रहा है। इसी वजह से इस तरह की घटनाएं हो रही हैं।

मैरी कॉम ने अजमेर दरगाह में चढ़ाई मखमली चादर

विश्व प्रसिद्ध बॉक्सर और ओलंपिक पदक विजेता मैरी कॉम ने बुधवार को अजमेर स्थित हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह शरीफ में हाजिरी लगाई।

अजमेर, (कासं)। विश्व प्रसिद्ध बॉक्सर और ओलंपिक पदक विजेता मैरी कॉम ने बुधवार को अजमेर स्थित हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह शरीफ में हाजिरी लगाई।

इस दौरान उन्होंने दरगाह में मखमली चादर और अकीदत के फूल पेश किए। मैरी कॉम ने ख्वाजा साहब की दरगाह में देश में अमन, चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। दरगाह के खादिम ने उन्हें जियारत कराई और दरगाह शरीफ का तबर्रुक भेंट किया।मैरी कॉम ने उन्होंने हाल ही में पहलगाम में हुई दुखद घटना पर गहरा दुख जताया। जियारत के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, 'पहलगाम की घटना ने मुझे बहुत दुखी किया है। मैंने ख्वाजा साहब की दरगाह में देश के लिए अमन और भाईचारे की दुआ मांगी। हमारा देश एकता और शांति का प्रतीक है, और हमें इसे बनाए रखना होगा।'मैरी कॉम ने दरगाह में करीब एक घंटे तक समय बिताया। इस दौरान उन्होंने ख्वाजा साहब की शिक्षाओं और उनके मानवता के संदेश को याद किया। खादिम ने उन्हें दरगाह के इतिहास और ख्वाजा साहब के जीवन के बारे में विस्तार से बताया। मैरी कॉम ने दरगाह की सादगी और आध्यात्मिक शांति की प्रशंसा की।

- **देश के लिए मांगी अमन की दुआ**

मालगाडी की चेपट में आने से रिटायर्ड रेल कर्मचारी की मौत

गंगापुर सिटी । दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर स्थित गंगापुर सिटी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर बुधवार सुबह एक सेवानिवृत्त रेल कर्मचारी की मालगाड़ी से टकराने से मौत हो गई। घटनास्थल से मिले मोबाइल फोन से मृतक की पहचान हुई। मृतक की पहचान कोलीपाडा मोहल्ला नसिया कॉलोनी निवासी बाबूलाल कोली (61) के रूप में हुई है। वह सुबह करीब 5:30 बजे टहलने के लिए घर से निकला था। बाबूलाल जब रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, तब ए केबिन और प्लेटफॉर्म 2 के बीच मालगाडी की चपेट में आ गया। घटना में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को ट्रैक से हटाकर प्लेटफॉर्म पर रखवाया। घटनास्थल से मिले मोबाइल फोन से मृतक की पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को सूचित किया। पुलिस ने शव को गंगापुर सिटी सरकारी अस्पताल की मॉर्चुयरी में पहुंचाया। परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम कराया गया। शाम को शव परिजनों को सौंप दिया गया।

- **घटनास्थल से मिले मोबाइल फोन से मृतक की पहचान हुई।**

बकाया एरियर भुगतान, समय पर मानदेय देने की मांग उठाई

चिकित्सालय में कार्यरत संविदा, निविदा कर्मचारी संघ ने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन दिया

चिकित्सालय में कार्यरत संविदा कर्मचारियों ने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी को अपनी समस्याएं बताई।

बून्दी। चिकित्सालय में कार्यरत संविदा, निविदा कर्मचारी संघ ने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन देकर प्लेसमेंट कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत कराया। कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष अमित गौतम ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा श्रम विभाग कि दरे बढ़ाई गई थी। जनवरी 2023 से राजस्थान सरकार द्वारा संविदा प्लेसमेंट कर्मचारियों को बढ़ा हुआ वेतन, बकाया एरियर दिया गया था जो कि अभी तक भी चिकित्सा विभाग के संविदा प्लेसमेंट कर्मचारियों को नहीं दिया गया है।

- **जनवरी 2023 से संविदा प्लेसमेंट कर्मचारियों को बढ़ा हुआ वेतन, बकाया एरियर दिया गया था जो कि अभी तक भी संविदा प्लेसमेंट कर्मचारियों को नहीं दिया गया है।**

एनआरएचएम कर्मचारियों का कहना है कि वें फिक्स वेतन पर कार्य कर रहे हैं इसमें से भी 18 प्रतिशत जीएसटी 3 प्रतिशत टीडीएस, 1 प्रतिशत सर्विस टैक्स काटा जा रहा है जिससे कि इन कर्मचारियों को बहुत ही अल्प वेतन मिलता है। इतने अल्प वेतन में इन कर्मचारियों का परिवार का पालन पोषण नहीं हो पा रहा है। एनआरएचएम कर्मचारियों का जीएसटी नहीं काटा जाए एवं जो जीएसटी काटा गया है वह वापस रिफंड किया जाए। इस दौरान चिकित्सा विभाग के लैब टेक्नीशियन, ऑक्सीजन प्लांट ऑपरेटर, गार्ड सफाई कर्मचारी हेल्पर, वॉशरमैन इलेक्ट्रीशियन शामिल रहे।

जाहिर है मुझे लगता है कि पूरी दुनिया ने उस रात उनका प्रदर्शन देखा। इतने कम उम्र के बच्चे की गुणवत्ता, यह इस टूर्नामेंट की खूबसूरती है, सभी खिलाड़ियों का मैदान पर उतरना और किसी भी मौके को दोनों हाथों से भुनाना। - ट्रेंट बोल्ट

मुंबई इंडियंस खिलाड़ी, वैभव की पारी को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

रियान पराग

मुझे वैभव कि उम्र दोहराना पसंद नहीं है। हम वैभव को लगभग दो महीने से देख रहे हैं। हम साथ-साथ खेल रहे हैं। जब भी वह पहले हाफ में खेलता था, अब वह दूसरे हाफ में खेल रहा है, अब वह तीसरे हाफ में खेल रहा है। चाहे वह रन बनाए या न बनाए, उसे यह संदेश दिया गया है कि उसे अपने खेल पर भरोसा करना चाहिए। उसने इस पर भरोसा किया और यहाँ आया। इसलिए हम नहीं चाहते कि वह कुछ अलग करे। मुझे नहीं लगता कि वह इस तरह का लड़का है जो इस बारे में सोचता है कि कौन उसके लिए गेंदबाजी कर रहा है या कौन उसके खिलाफ खेल रहा है।

क्या आप जानते हैं ?... राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस को 15.5 ओवर में 212 रन बनाकर हराते हुए इतिहास रच दिया। वैभव सूर्यवंशी ने 35 गेंदों में शतक और यशस्वी जायसवाल ने 40 गेंदों में 70 रन की शानदार पारी खेली।

पंजाब किंग्स ने चेन्नई को 4 विकेट से हराया

चेन्नई, 30 अप्रैल। युजवेंद्र चहल (चार विकेट), अर्शदीप सिंह और मार्को यानसन (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद श्रेयस अय्यर (72) और प्रभसिमरन सिंह (54) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत पंजाब किंग्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 49वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को उसी के घर में चार विकेट से पटखनी दी। 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स के लिए प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। पांचवें ओवर में खलील अहमद ने प्रियांश आर्य 15 गेंदों में 23 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान श्रेयस अय्यर ने प्रभसिमरन सिंह के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन जोड़े।

13वें ओवर में नूर अहमद ने प्रभसिमरन सिंह को आउट कर इस साझेदारी को अंत किया। प्रभसिमरन सिंह ने 36 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (54) रन बनाये। इसके बाद नेहाल वढेरा (पांच) रन बनाकर आउट हुये। चौथे विकेट के रूप में शशांक सिंह 12 गेंदों में (23) रन बनाकर आउट हुये। 19वें ओवर में मतीशा पतिराना ने श्रेयस अय्यर को बोल्ड कर चेन्नई को पांचवी सफलता दिलाई। श्रेयस अय्यर ने 41 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए (72) रनों की पारी खेली। सूर्यांश शेडगे (एक) रन बनाकर आउट हुये। पंजाब किंग्स ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 194 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए रवींद्र जडेजा, नूहर अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। मतीशा पतिराना और खलील अहमद को दो- दो विकेट मिले।

इससे पहले आज यहां पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया है। बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 22 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। शेख रशीद (11) और आयुष म्हात्र (सात) रन बनाकर आउट हुये। चेन्नई सुपर किंग्स का तीसरा विकेट रवींद्र जडेजा (17) के रूप में गिरा। डेवाल्ड ब्रेविस 26 गेंदों में 36 रन को ओमरजई ने 15वें ओवर की पहली गेंद पर बोल्ड आउट किया। 172 के स्कोर पर मार्को यानसन ने सैम करन को जॉश इंग्लिस के हाथों कैच आउट कराकर चेन्नई के बड़ा स्कोर खड़ा करने की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया।

सैम करण ने 47 गेंदों में नौ चौके और चार छक्के लगाते हुए (88) रनों की पारी खेली। इसके बाद यजुवेंद्र चहल ने चेन्नई के लगातार चार विकेट झटक दिये। महेन्द्र सिंह धोनी (11), दीपक हुड्डा (दो), अंशुल काम्बोज और नूर अहमद (शून्य) पर आउट हुये। 20वें ओवर की दूसरी गेंद पर अर्शदीप सिंह ने शिवम दुबे (11) को आउटकर चेन्नई की पारी का 190 के स्कोर पर अंत कर दिया। पंजाब किंग्स के लिए यजुवेंद्र चहल ने चार विकेट लिये। अर्शदीप सिंह और मार्को यानसन को दो-दो विकेट मिले। अजमतउल्लाह ओमरजई और हरप्रीत बराड़ ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

राजस्थान रॉयल्स बनाम मुंबई इंडियस के बीच मुकाबला आज

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने जयपुर में मनाया जन्मदिन

जयपुर, 30 अप्रैल। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और दिग्गज ओपनर रोहित शर्मा अपना 38वां जन्मदिन मना रहे हैं। वह हिटमैन के नाम से भी जाने जाते हैं और रोहित शर्मा ने अपने करियर में कई रिकॉर्ड बनाए हैं। रोहित शर्मा ने विश्व क्रिकेट में भारत का नाम रोशन किया है। रोहित शर्मा जितने खतरनाक बल्लेबाज हैं, उससे कहीं ज्यादा वह चतुर-चालाक कप्तान हैं। पिछले कुछ सालों के उनके बेहतरीन प्रदर्शन ने दुनिया भर में लाखों लोगों का दिल जीत लिया है।रोहित शर्मा ने साल 1999 में एक क्रिकेट कैंप जॉइन किया था। उन्होंने अपने क्रिकेट करियर की शुरूआत ऑफ स्पिनर की थी। तब वह थोड़ी बहुत बल्लेबाजी कर पाते थे। लेकिन कोच दिनेश लाड ने जल्द ही रोहित के बैटिंग टैलेंट को पहचान लिया और उनको नंबर 8 से सीधा पारी का आगाज करने भेज दिया। इस टूर्नामेंट में रोहित ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और बतौर ओपनर उन्होंने डेब्यू मुकाबले में शतक लगाया।

इंडिया की वनडे और टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित बुधवार को 38 साल के हो गए। उन्होंने जयपुर में अपना जन्मदिन मनाया। इस पर हिटमैन रोहित की खास तस्वीरें लगाई गईं। केक पर हैप्पी बर्थडे हिटमैन भी लिखा गया। रोहित ने पत्नी रितिका, बच्चों और मुंबई इंडियंस टीम के साथी प्लेयर्स की मौजूदगी में केक काटा। रितिका ने उन्हें केक खिलाया और जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। होटल राजपुताना शेरेटन में स्पेशल केक तैयार किया गया। रोहित को उनकी मां ने भी खास अंदाज में बर्थडे विश किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर रोहित के बचपन से जवान होने तक की 12 फोटोज का एक कोलाज शेयर किया। इनमें फैमिली की वो तस्वीरें भी शामिल हैं, जिनमें रोहित अपने भाई और परिवार के साथ दिखाई दे रहे हैं। मां ने लिखा- हैप्पी बर्थडे टू ए ग्रेट सन।

रोहित शर्मा ने साल 2007 में आयरलैंड के खिलाफ एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। एक दिवसीय मैचों में रोहित शर्मा अपने दोहरे शतकों के लिए जाने जाते हैं। इसी साल सितंबर में रोहित ने अपना टी-20 डेब्यू इंग्लैंड के खिलाफ किया। हालांकि उनको टेस्ट डेब्यू के लिए काफी इंतजार करना पड़ा। वहीं 6 साल बाद यानी की 2013 में वह पहली बार सफेद जर्सी पहनकर मैदान में उतरे थे।

राजस्थान के जतिन सनी, मो. अनस व गुलाब सिंह बीसीसीआई अंडर-19 एनसीए (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) ट्रॉफी में खेलेंगे

जयपुर, 30 अप्रैल। बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले राजस्थान के जतिन सैनी, मो अनस व गुलाब सिंह का चयन बीसीसीआई की जूनियरचयन कमेटी ने आगामी 6 से 16 मई 2025 के दौरान बेंगलोर एनसीए के विशेष प्रशिक्षण शिविर (सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस) द्वारा आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग ले रही विभिन्न टीमों के लिए किया है। बीसीसीआई द्वारा आगामी घरेलुक्रिकेट सत्र की राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों की प्रतिभा को ओरअधिक सुदृढ़ करने हेतु एनसीए के अंतर्गत देश के विभिन्न केंद्रों पर एनसीए सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस केन्दों के स्थापन की गयी है जिसमे चयनित खिलाडियों को बीसीसीआई द्वारा अनुभवी कोचों की निगरानी में रच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाता है। राजस्थान के जतिन सैनी , मो अनस व गुलाब सिंह को बेंगलोर स्थित एनसीए के नए स्थापित सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस सेंटर में आगामी 6 मई से आयोजित होने वाली अंडर 19 प्रतियोगिता में भाग ले रही टीम-ई, टीम-ए व टीम-डी के लिए किया है। चयनित खिलाडी को दिनांक 5 मई को एनसीए बेंगलोर पर रिपोर्ट करना होगा।

राजस्थान की अंडर-15 महिला खिलाड़ी धृति माथुर का एनसीए (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) प्रसिक्षण शिविर में चयन

बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 15 महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाली राजस्थान की युवा अंडर 15 महिला खिलाडी धृति माथुर का चयन बीसीसीआई महिला चयन कमेटी ने आगामी 16 मई से 9 जून 2025 के दौरान बेंगलोर के अंडर 15 एनसीए (सेंटर ऑफ़ एक्सीलेन्स) प्रशिक्षण शिविर के लिए किया है। बीसीसीआई द्वारा आगामी घरेलुक्रिकेट सत्र की राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों की प्रतिभा को ओर अधिक सुदृढ़ करने हेतु एनसीए के अंतर्गत देश के विभिन्न केंद्रों पर एनसीए सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस केन्दों के स्थापन की गयी है जिसमे चयनित खिलाडियों को बीसीसीआई द्वारा अनुभवी कोचों की निगरानी में रच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाता है।

यूनियन क्रिकेट क्लब ने राजीव क्रिकेट क्लब को हराया, आदित्य टांक का पंजा

जयपुर, 30 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल सी के मैच में यूनियन क्रिकेट क्लब ने राजीव क्रिकेट क्लब को 10 विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर राजीव क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रथम गांगलानी के 72 रन व अभिषेक राठौर के 10 रनों से 28 ओवर में 110 रनों पर सिमट गई। यूनियन क्रिकेट क्लब के लिए आदित्य टांक ने 36 पर 5, दीपक चौधरी ने 10 पर 3, नितेश कुमार व आरिफ खान ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में यूनियन क्रिकेट क्लब ने स्नेहिल शर्मा के 50 रन नाबाद व नितेश कुमार के 55 रन नाबाद से 12.1 ओवर में बिना विकेट गवाए 111 बनकर 10 विकेट से मैच जीत लिया।

जापान में एशियाई खेल 2026 में खेला जाएगा क्रिकेट

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने जापान के ऐची-नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेल 2026 में क्रिकेट को बनाए रखा है। ओसीए ने कहा, खेल कार्यक्रम के बारे में फैसला 28 अप्रैल को नागोया सिटी हॉल में एआईएनएजीओसी बोर्ड की 41वीं बैठक में लिया गया। इसमें क्रिकेट और मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी गई है। इस टूर्नामेंट के सभी मैच ऐची प्रीफेक्चर में खेले जाएंगे, लेकिन अभी तक मैच स्थल का चयन नहीं हुआ है। यह चौथी बार है जब क्रिकेट को एशियाई खेलों में शामिल किया गया। इससे पहले 2010 के ग्वांगझू और 2014 के इंचियोन में इन खेलों को अंतरराष्ट्रीय दर्जा नहीं दिया गया था, लेकिन 2023 के एशियाई खेलों में क्रिकेट को शामिल किया गया, तो मैचों को टी-20 प्रारूप का दर्जा दिया गया था।

ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबाल क्लब ने सनराइज फुटबाल क्लब को 1-0 से शिकस्त दी

जयपुर, 30 अप्रैल। रॉयल फुटबॉल क्लब ग्राउंड, मानसरोवर जयपुर व चौगान स्टेडियम जयपुर में मैच खेले गए राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव श्री दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज के दिन 4 मैच खेले गए जिसमें लीग के अभी तक 51 मैच खेले जा चुके है।

आज रॉयल फुटबाल क्लब के मैदान में खेले गए मैच

प्रथम मैच :- सनराइस फुटबाल क्लब और ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच 0/1 से ब्रदर्स यूनाइटेड ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मैच जीत लिया। पहले हॉफ में ब्रदर्स यूनाइटेड क्लब 0/0 से बराबर रहा दूसरे हॉफ में 51 मिनट में करण सिंह ने गोल करके ब्रदर्स यूनाइटेड को विजई बनाया। दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

दूसरा मैच:- रीयल फुटबाल क्लब जयपुर ओर जेरठी फुटबाल क्लब सीकर के बीच खेला गया मैच जेरठी फुटबाल क्लब ने 1/0 से जीत लिया। फ़रस खान ने 54 मिनट में गोल किया।

तीसरा मैच :- ए एस एल फुटबॉल क्लब और सिटी वाल्स फुटबाल क्लब के बीच खेला पहले हॉफ में ए एस एल ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 3/0 से बढ़त बनाई दूसरे हॉफ में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाई इस प्रकार ए एस एल फुटबाल क्लब ने मैच 3/1 से मैच जीत लिया । ए एस एल के द्वारा किए गए गोल आकाश ने पहले 14 मिनट में दूसरा गोल यशराज ने ने 16 मिनट तथा युवराज ने 33 मिनट गोल किया और एकमात्र गोल सिटी वाल्स की तरफ से सुमित घोष ने 77 मिनट पर किया।

चौथा मैच :- जयपुर राइजिंग फुटबाल क्लब जयपुर ओर जिंक फुटबाल अकादमी के बीच खेला गया जिंक फुटबाल अकादमी ने मैच 6/0 से जीत लिया। पहला गोल सुभाष ने 5 मिनट में दूसरा राजदीप ने 34 मिनट में तीसरा गोल करण बेनीवाल 35 मिनट चौथा गोल भी करण ने 45 मिनट पांचवां गोल आशीष सरकार ने दो गोल 47 मिनट व 77 मिनट पर किए। आगामी फुटबाल लीग के मैच 3 मई को में खेले जाएंगे।

दौसा जिला क्रिकेट संघ द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन

जयपुर/दौसा, 30अप्रैल। जिला क्रिकेट संघ द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पुलिस उप अधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा और विशिष्ट अतिथि दौसा कोतवाल सुधीर उपाध्याय रहे ।जिला क्रिकेट संघ सचिव ब्रजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि 12 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर जो कि जिला क्रिकेट संघ द्वारा चल रहा है इसका समापन किया गया ।सचिव द्वारा माननीय अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और शिविर में करीब 125 खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण लिया इसके अलावा शिविर में खिलाड़ियों को फिटनेस, रनिंग ,योगा का प्रशिक्षण दिया गया जिससे कि जिले की प्रतिभाओं को आगे होने वाले आरसीए के टूर्नामेंट में दोसा जिले के खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर सके ।सचिव ने बताया कि राजस्थान के सभी जिलों में आरसीए के टूर्नामेंट में जब उनकी टीम जाती है तो सभी जिले बाहर के खिलाड़ियों को खिलाते हैं लेकिन दोसा जिले से केवल दौसा जिले के खिलाड़ियों को खेलने का अवसर दिया जाता है ।उसके अलावा उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन में रहने का महत्व बताया मुख्य अतिथि सीईओ रवि शर्मा जी ने भी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए और अपने खेल को सुधारने के लिए खिलाड़ियों से चर्चा की।

आईपीएल के रोबोटिक स्वान 'चंपक' को लेकर बच्चों की पत्रिका ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। बच्चों की पत्रिका चंपक के प्रकाशक दिल्ली प्रेस पत्र प्रकाशन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के दौरान पेश किए गए रोबोटिक स्वान का नाम 'चंपक' रखने को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में ट्रेडमार्क उल्लंघन का मुकदमा दायर किया है। आईपीएल की प्रचार गतिविधियों के तहत पेश किए गए एआई संचालित रोबोट स्वान को प्रशंसकों की वोटिंग के बाद 23 अप्रैल को आधिकारिक तौर पर चंपक नाम दिया गया, जिसको लेकर बच्चों की पत्रिका 'चंपक' के प्रकाशक ने आपत्ति जताई और दावा किया कि यह नाम उसके पंजीकृत और व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त ट्रेडमार्क का उल्लंघन है। बुधवार को मामले की सुनवाई करने वाले न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने बीसीसीआई को नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई नौ जुलाई को निर्धारित की। न्यायालय ने हालांकि नाम के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए एकपक्षीय अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। वादी की ओर से पेश अधिवक्ता अमित गुप्ता ने दलील दी कि चंपक पत्रिका, जो अपनी पशु-आधारित कहानियों और पात्रों के लिए जानी जाती है, सभी पीढ़ियों के बच्चों के बीच एक घरेलू नाम रही है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद धौलपुर

SEWDSC. DHOLPUR@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांक : पीएमकेएसवाई-2.0/निविदा/2025-26/250-53 दिनांक : 23.4.25

(For publication in News paper)
NOTICE INVITING BID
NIB No. YEAR 2025-26

Bids for NRM Works (ECD, Talab, renovation, MPT, PT, Sunken Poud, Recharge shaft, Bank Stablization etc. under PMKSY 2.0 Project Area in Block Basecri of Distt. Dholpur of estimated value INR 151.30 Lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM. 03-05-25 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.
UBN WSC2526WSOB00113, NIB WSC2526A0062

(लाखन सिंह मीना)
अधीक्षण अभियंता, एवं पदेन परियोजना प्रबंधक, वाटरशेड सेल कम डाटा सेंटर जिला परिषद धौलपुर

DIPR/C/5770/2025

कार्यालय नगरपालिका लाम्बाहरिसिंह जिला टोंक

क्रमांक : न.पा.ला/2025-26/25 दिनांक : 22.04.2025

ई-निविदा सूचना संख्या (01/2025-26)
(NIB NUMBER - DLB2526A0789)

एतदद्वारा यह है कि राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।
निविदा के कुल कार्य -02
UBN NO.-1. DLB2526SLRC03081, DLB2526SLRC03082

राज.संवाद/सी/25/1547 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर परिषद बारां

E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां (राज0) Phone : 07453-230106

क्रमांक :- न.प.बा./स्वास्थ्य शाखा/2025/613-14 दिनांक :- 25.04.2025

निविदा सूचना संख्या : 05/2025-26

नगर परिषद बारां द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु इस कार्यालय के लिए सफाई कार्य हेतु किराये पर जे.सी.बी. मय डीजल ड्राईवर उपलब्ध करवाने के कार्य हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। संवेदक निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते वेब पार्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर भी देख सकते है। निविदायें http://eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से प्राप्त की जावेगी। कार्य की लागत 20 लाख रूपये है। तथा ULB NO. DLB2526GL0B02932 है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/1500 नगर परिषद बारां

कार्यालय नगर पालिका अकलेरा जिला झालावाड.(राज.)

क्रमांक : न.पा.अ./2025/109-112 दिनांकः-21.04.2025

-:: ई-निविदा सूचना ::-

नगर पालिका अकलेरा मे वित्तिय वर्ष 2025-26 में विभिन्न कार्य करवाये जाने हेतु निविदा सुचना कमांकः-न.पा.अ./2025/88 दिनांक 17.04.2025 से 4 कार्यो की 61.00 लाख रुपयें की निविदा दिनांक 21.04.2025 को समय 11:00 बजें से 01.05.2025 को समय रात्रि 12:00 बजें तक आमंत्रित की गई है इच्छुक सवेंदको द्वारा वर्णित बिड़ में भाग लिया जा सकता है। उक्त निविदा सूचना से सम्बंधित समस्त शर्ते एवं विवरण वेबसाईट http//sppp.rajasthan.gov.in & http//eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIB Code- DLB2526A0748 UBN NO.- DLB2526WSRC02981, DLB2526SLRC02982, DLB2526SLRC02983, DLB2526SSRC02984

राज.संवाद/सी/25/1540 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, पाली (राज.)

(लालबहादुर शास्त्री टाऊन हॉल, सुरजपोल के पास, पाली, पिनकोड - 306401)
(टेली-फैक्स : 02932-221301, ई-मेल : cmcpali@yahoo.co.in,वेब-साईटः www.mcpali.com)

क्रमांक प. 12( )/विकास/2025-2026/02 दिनांक 21.04.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-2026

नगर निगम, पाली की ओर से स्वायत्त शासन विभाग/नगर निगम, पाली से पंजीकृत या अन्य विभागो में "ए" अथवा "एए" श्रेणी मे पंजीकृत संवेदको से 15 कार्यो की (अनुमानित लागत रू 192.62 लाख) ऑनलाईन निविदाऐ आंमत्रित की जाती है। संवेदक दिनांक 22.04.2025 को प्रातः 09.00 बजे से दिनांक 06.05.2025 को सांय 6.00 बजे तक आनॅलाईन निविदाऐ जमा करा सकते है। निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण वेबसाई http://spp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in से तथा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त कर सकते है। उक्त 15 कार्यो के यूबीएन संख्या निम्नानुसार है।

DLB2526GSOB02426	DLB2526WSOB02412	DLB2526WSOB02413
DLB2526WSOB02414	DLB2526WSOB02415	DLB2526WSOB02416
DLB2526WSOB02417	DLB2526WSOB02418	DLB2526WSRC02419
DLB2526WSRC02420	DLB2526WSRC02421	DLB2526WSRC02422
DLB2526WSRC02423	DLB2526WSRC02424	DLB2526WSRC02425

आयुक्त
राज.संवाद/सी/24/1506 नगर निगम, पाली

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-मण्डरायल

क्रमांक 51 दिनांक 17.04.25

निविदा सूचना संख्या-01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों / फर्मों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदकों जो कि राज्य सरकार के एए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। अल्पकालीन निविदाओं से संबंधित विवरण बेवसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

क्रसं.	कार्य का नाम	UBN No.	NIB No.
1.	Detail survey and consultancy work for Preparation of Detailed Project Report (DPR) for Construction of Karanpur Ghati Road with safety walls in Karanpur Ghati on SH-123 Km. 65/500 to 68/500 with SBC Tests by Bore on site, Design and Drawing of safety walls and CC Road and Preparation of Tender documents	PWD2526WSOB00563	PWD2526AO180

DIPR/C/5523/2025 अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. खंड मण्डरायल

कार्यालय नगरपालिका टोडारायसिंह जिला टोंक (राज.)

E-Mail - nptodaraisingh@gmail.com Ph. - 01433-294303

क्रमांक : न.पा.टो./ विकास/ई निविदा/2025-26/149 दिनांक :- 25.04.2025

ई-निविदा सूचना संख्या (01/2025-26)

एतद्द्वारा यह है कि राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।

NIB NO	DLB2526A0782
UBIN NO	DLB2526WSOB03067
निविदा के कुल कार्य	01 (एक)
निविदा की अनुमानित लागत	राशि रू. 24.43 (लाखों में)
निविदा जारी करने की दिनांक	25.04.2025
निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	30.04.2025 9:00 AM
निविदा दस्तावेजों को अपलोड करने हेतु अन्तिम दिनांक व समय	13.05.2025 12:00 PM
निविदा शुल्क के डी.डी./दस्तावेज जमा करवाने हेतु दिनांक व समय	14.05.2025 11:00 AM
तकनिकी बिड खोलने की दिनांक व समय	14.05.2025 2:00 PM
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	Will be Intimated Latter to the technically Qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि	180 दिन

अध्यक्ष नगरपालिका टोडारायसिंह अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका टोडारायसिंह
राज.संवाद/सी/25/1534

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)

क्रमांक : न.पा.रा./2025/192 दिनांक 25.04.2025

ई-निविदा सूचना 01/2025-26

नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई-निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 26.04.2025 से 12.05.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 26.04.2025 से 12.05.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 13.05.2025 समय प्रातः 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 13.05.2025 को दोप. 2.00 बजे बाद रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in, http//eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

S.N.	NIB	UBN
1	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02940
2	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02941
3	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02943
4	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02945
5	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02947
6	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02948
7	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02950
8	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02952
9	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02954
10	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02957
11	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02959
12	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02960
13	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02962
14	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02964
15	DLB-2526A0732	DLB2526WSOB02965

राज.संवाद/सी/25/1490 अधिशाषी अधिकारी

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

एकल/द्विपुत्री योग्यता पुरस्कार योजना-2024 आवेदन पत्र आमंत्रण सूचना

पात्रता-बोर्ड द्वारा परीक्षा-2024 की ऐसी समस्त प्रतिभाशाली बालिकाएं जिन्होंने राज्य स्तर और जिला स्तर पर निर्धारित Cut off अंक या अधिक अंक प्राप्त किये हैं और जो अपने परिवार की एक मात्र संन्तान है या परिवार में दो सन्तानें हैं और दोनों ही पुत्रियाँ है या तीन पुत्रियाँ है जिनमें से एक पुत्री के बाद दो जुड़वां पुत्रियां हैं, पुरस्कार हेतु आवेदन की पात्र हैं। बोर्ड कार्यालय में आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथिः 30.05.2025

बोर्ड परीक्षा	राज्य स्तर पर कट ऑफ अंक	पुरस्कार राशि रूपये (राज्य स्तर)	पुरस्कार राशि रूपये (जिला स्तर)	जिला स्तर पर कट ऑफ अंक
माध्यमिक परीक्षा-2024	584	31,000/-	11,000/-	बोर्ड की वैवसाईट पर जिलेवार कट ऑफ अंक उपलब्ध हैं।
माध्यमिक - (व्यावसायिक) परीक्षा-2024	585	31,000/-	11,000/-	
प्रवेशिका परीक्षा-2024	545	31,000/-	11,000/-	
उच्च माध्यमिक परीक्षा -2024	विज्ञान-491 वाणिज्य-484 कला-487	51,000/-	11,000/-	
उच्च माध्यमिक (व्यावसायिक) परीक्षा- 2024	विज्ञान-479 वाणिज्य-472 कला-484	51,000/-	11,000/- 11,000/-	
वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा - 2024	472	51,000/-		

प्रक्रिया-आवेदन-पत्र का प्रारूप, शपथ-पत्र का प्रारूप एवं आवश्यक निर्देश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की वेबसाईट www. rajeduboard.rajasthan. gov.in से डाउनलोड किये जा सकते हैं। भुगतान-पुरस्कार राशि का भुगतान छात्राओं के स्वयं के बैंक खातों में ऑनलाईन बैंकिंग के द्वारा किया जायेगा।
आवेदन पत्र भेजने का पता-निदेशक (शैक्षिक) माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर 305001

सचिव

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड बाडी

NIB NO. : 12-14/2025-26 Date : 19.04.2025

निविदा सूचना

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पी.डब्लु.एफ.एण्ड.ए.आर. पार्ट-II अपेण्डिक्स 16 दिनांक 01.07.1999 से लागु एवं समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा जारी संशोधित परिपत्रो (आज तक) के अनुरूप विभाग में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/सप्लायर्स एवं निविदा प्रपत्र में बाँछित योग्यता रखतें हो, से इस कार्यालय की निविदा सं.12-14 के लिये मौहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा संख्या 12-14/2025-16 के निविदा प्रपत्र http//www.eproc.rajasthan.gov.in/ दिनांक 01.05.2025 को 06.00 पी.एम. तक डाउनलोड किए जा रि दिनांक 01.05.2025 को 06.00 पी.एम. तक ऑनलाइन जमा किए जाकर दिनांक 02.05.2025 को 12.00 पी.एम. पर टैक्निकल बिड (तकनीकी बोली) जावेगी।

NIT No.	Name of work	Estimated Cost (Rs in Lacs)	Earnest Money in Rs. 2%	Earnest Money in Rs. 0.05%	MD RISL (in Rs)	Tender Fee (in Rs)	Period for completion
NIT 12/25-26	Providing laying, Jointing & Testing of Rising DI Pipe line in Village Naksauda at Vishangiri Temple under Sub Division Bari of PHED Division Bari	9.61	19228	4807	500	500.00	30 DAYS
NIT 13/25-26	Providing laying, Jointing & Testing of Rising DI Pipe line in Mohalla Nakatpura in Nagarpalika Sarmathura and Village Dhanera under Sub Division Baserl of PHED Division Barl	29.04	58076	14519	500	1000.00	30 DAYS
NIT 14/25-26	Providing laying, Jointing & Testing of Rising HDPE Pipe line and construction PSP in Villages Pali, Karilpura, Mohari under Sub Division Baseri of PHED Division Bari	22.56	45125	11281	500	1000.00	30 DAYS
NIB No.:	PHE2526AO587						
UBN:	PHE2526WSOB01399, PHE2526WSOB01400, PHE2526WSOB01401						

Note: 1. If Holiday is declared on submission and/or opening date of tender the scheduled activity will take place on next working day/If Procuring entity is not present on the submission and opening date of tender the scheduled activity will take place on day on which procuriing entity(HOO) is present.

नोट :- निविदा से संबंधित नियम एवं शर्ते, आदि कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

(Deshraj Sing Gurjar)
Executive Engineer, PHED Division Bari

DIPR/C/5584/2025

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और एडीबी कंट्री डायरेक्टर मियो ओका की मुलाकात

350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त करने में एडीबी महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 30 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया है कि प्रदेश को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य प्राप्त करने में एशियन डवलपमैंट बैंक (एडीबी) महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी, निर्वाह करेगा। उन्होंने शहरी विकास और सड़क निर्माण के अलावा, अन्य क्षेत्रों में भी एडीबी के साथ साझेदारी बढ़ाए जाने पर बल देते हुए कहा कि 2047 तक विकसित राजस्थान बनाने के लिए एडीबी का सहयोग महत्वपूर्ण रहेगा।

- **सड़क तंत्र, बुनियादी ढांचे के विकास सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को एशियन डवलपमैंट बैंक की कंट्री डायरेक्टर मियो ओका से मुलाकात की। उन्होंने एडीबी के 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल के साथ प्रदेश के सड़क तंत्र के उन्नयन, बुनियादी ढांचे के विकास सहित, विभिन्न विषयों एवं संभावित निवेश पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को एडीबी के 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल के साथ प्रदेश के सड़क तंत्र के उन्नयन, बुनियादी ढांचे के विकास सहित, विभिन्न विषयों एवं संभावित निवेश पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विकास की हमारी साझा प्राथमिकताओं में एडीबी का हमेशा से ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि एडीबी और राजस्थान द्वारा साथ मिलकर कार्य करने से रणनीतिक साझेदारी के साथ-साथ रोजगार के अवसरों को गति मिलेगी।

शर्मा ने कहा कि वर्तमान में राज्य के शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए आरयूआईडीपी परियोजना एवं सड़क क्षेत्र के उन्नयन के लिए राजस्थान हाईवे इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम के माध्यम से एडीबी सहयोग कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में पेयजल एवं सिंचाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एडीबी से इस दिशा में सहयोग की पेशकश की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के अंतर्गत, शहरी क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के राज्य सरकार के संकल्प में भी एडीबी साझेदार रहेगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए राजमार्ग विकास परियोजनाओं में भी एडीबी की भागीदारी रहेगी।

बैठक में कंट्री डायरेक्टर ओका ने देश में ग्रीन बजट लाने की राजस्थान की अभिनव पहल की प्रशंसा करते हुए, जैव विविधता, ग्रीन फाइनेंस, ग्रीन-ऑडिट, क्लीन टेक्नोलोजी के क्षेत्रों में एडीबी के सहयोग का प्रस्ताव किया। साथ ही, रोजगार, कौशल विकास, सूक्ष्म-सिंचाई, वानिकी व पर्यावरण जैसे नवीन क्षेत्रों के वित्त-पोषण हेतु एडीबी अधिकारियों ने रूचि दिखाई।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, नगरीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

भारतीय आकाश में नहीं उड़ेंगे पाक विमान

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। भारत ने बुधवार देर रात पाकिस्तान के लिए अपना एयरबेस बंद कर दिया। यानी पाकिस्तान की किसी भी तरह की फ्लाइट 23 मई तक भारतीय एयरस्पेस में नहीं उड़ सकेंगी।

भारत ने पाकिस्तान के लिए "नोटिस टु एयरमैन" जारी किया है। इसमें कहा गया है कि अगर कोई फ्लाइट इंडियन जोन में आती है, तो उस पर एक्शन लिया जाएगा। पाकिस्तान ने 23 अप्रैल को भारत के लिए अपना एयरस्पेस बंद करने का फैसला लिया था।

यह फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,

- **भारत ने पाकिस्तान के विमानों के लिए 23 मई तक एयरस्पेस बंद करने की घोषणा की।**

विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी की हाई लेवल मीटिंग के बाद आया। यह मीटिंग एक घंटे चली।

हालांकि यह नहीं बताया गया कि एयरस्पेस बंद करने का फैसला इसी बैठक में लिया गया। एयरस्पेस बंद करने से पाकिस्तान की इकॉनोमी पर बड़ा असर पड़ेगा। पाकिस्तान को थाईलैंड, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका आदि देशों में अपने विमान भेजने के लिए काफी लंबा रूट लेना होगा। इससे वहां की हवाई यात्रा महंगी होगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के लिए प्र.मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुलाई गई एक उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया।

हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत ने 288 साल की परम्परा तोड़ी, रामलला के दर्शन किए

हनुमानगढ़ी की परम्परा है कि गद्दीनशीन महंत हनुमानगढ़ी की सीमा (52 बीघा) से कभी बाहर नहीं जाते हैं

अयोध्या, 30 अप्रैल। सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर के गद्दीनशीन महंत 288 साल की परंपरा को तोड़कर अक्षय तृतीया के दिन शाही जुलूस के साथ रामलला के दर्शन के लिए निकले। सुबह 7.30 बजे घोड़ा, हाथी और बैंड बाजे के साथ हनुमानगढ़ी के निशान के साथ गद्दीनशीन सरयू घाट पहुंचे। स्नान के उपरान्त, सरयू नदी में दुग्धाभिषेक किया और 11 मीटर की चुनरी चढ़ाई। इसके बाद वहां से शोभा यात्रा राम पथ के रास्ते राम मंदिर परिसर पहुंची, जहां राम मंदिर में दर्शन-पूजन के साथ गद्दीनशीन प्रेमदास ने रामलला को छप्पन भोग का प्रसाद भी अर्पित किया।

- **अक्षय तृतीया पर गद्दीनशीन महंत प्रेमदास शोभायात्रा के साथ रामलला के मंदिर आए और रामलला को छप्पन भोग अर्पित किया।**

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन का पद बहुत महत्वपूर्ण और प्रमुख होता है। गद्दीनशीन अपने जीवन काल में कभी भी हनुमानगढ़ी के सीमा 52 बीघा के बाहर नहीं निकल सकता। हनुमान जी के प्रतिनिधि के तौर पर गद्दीनशीन को माना जाता है। हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन प्रेमदास जी की इच्छा के अनुसार पंचायत के निर्णय के बाद 288 सालों के इतिहास में पहला मौका था, जब हनुमानगढ़ी का कोई गद्दीनशीन रामलला का दर्शन करने के लिए गए। इस दौरान अयोध्या के साधु संतों में खासा उत्साह दिखा। 51 जगह पर पुष्प वर्षा के साथ शाही जुलूस का स्वागत किया गया। प्रेमदास ने रामलला के दर्शन की इच्छा जताई थी। कहा था- मेरे सपने में हनुमान जी आए थे। उन्होंने रामलला के दर्शन करने का आदेश दिया था। इसके बाद उन्होंने अखाड़े के सभी सदस्यों की 21 अप्रैल को बैठक बुलाई।

इस बैठक में परंपरा बदलने के फैसले पर मुहर लगी। तय हुआ, प्रेमदास रामलला के दर्शन करने जाएंगे। संत प्रेमदास 2016 में हनुमानगढ़ी के 22वें गद्दीनशीन महंत बने थे।

हाई कोर्ट ने तलाकशुदा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता की मां की भी मौत हो गई। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता का अपने पति से तलाक हो गया था और कोर्ट से नवंबर,1979 में तलाक की डिक्री जारी होने के बाद से वह अपने माता-पिता के साथ ही रहती आ रही थी। मां के निधन के बाद याचिकाकर्ता ने साल 2019 में फैमिली पेंशन के लिए विभाग में प्रार्थना पत्र दिया, जिसे विभाग के अफसर एक दूसरे को भेजते रहे, लेकिन उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। इस पर याचिकाकर्ता ने तलाकशुदा पुत्री वर्ग में फैमिली पेंशन लेने के लिए पुन: प्रार्थना पत्र दिया। याचिका में कहा गया कि बीते करीब चार साल से विभाग न तो उसके प्रार्थना पत्र का निस्तारण कर रहा है और न उसे फैमिली पेंशन जारी कर रहा है। याचिका पर सुनवाई के दौरान, शिक्षा विभाग की ओर से मामले में अपना जवाब पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा गया।

इस पर अदालत ने याचिकाकर्ता को तलाकशुदा पुत्री वर्ग में फैमिली पेंशन जारी करने के आदेश दिए हैं।

दुष्कर्म पीड़िता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं रखना चाहती है। ऐसे में उसे 20 सप्ताह के भ्रूण का गर्भपात कराने की मंजूरी दी जाए। सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में एसएमएस अस्पताल की ओर से पीड़िता का परीक्षण कर मेडिकल रिपोर्ट अदालत में पेश की गई। जिसमें माना गया कि पीड़िता के 20 सप्ताह का गर्भ है। वहीं, यदि उसका गर्भपात किया गया तो उसका कोई प्रतिकूल प्रभाव भी नहीं पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि पीड़िता को खून की कमी है।

गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुले

इसी के साथ चार धाम यात्रा का शुभारंभ हो गया है

उत्तरकाशी, 30 अप्रैल। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद अंतर्गत स्थित मां श्री गंगोत्री और श्री यमुनोत्री धाम के कपाट बुधवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चारण और पूजा-अर्चना के मध्य, श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इसके साथ ही, उत्तराखंड की चारधाम यात्रा 2025 का भी शुभारंभ हो गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दोनों धामों में कपाटोद्घाटन समारोह में संकल्प लेकर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से पहली पूजा की और चारधाम यात्रा के सफल आयोजन तथा देश-प्रदेश की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की मंगल कामना की है। धामी यमुनोत्री धाम के कपाटोद्घाटन में पहुंचने वाले पहले मुख्यमंत्री हैं। इस अवसर पर गंगोत्री एवं यमुनोत्री मंदिर के ऊपर हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई। धार्मिक परंपराओं के अनुसार, बुधवार सुबह मां गंगा की उत्सव डोली भैरव घाटी स्थित भैरव मंदिर से चलकर गंगोत्री धाम पहुंची, जहां विशेष पूजा-अभिषेक के साथ, पूर्वाह्न 10 बजकर 30 मिनट पर गंगोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गये। मां यमुना की डोली शनिदेव महाराज की अगुवाई में शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली से चलकर यमुनोत्री धाम पहुंची, जहां धार्मिक विधि- विधान के साथ पूर्वाह्न 11 बजकर 55 मिनट पर यमुनोत्री धाम के कपाट दर्शनार्थ खोले गए। कपाट खुलने के अवसर पर देश, विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने अखंड ज्योति के दर्शन किये तथा गंगा और यमुना में स्नान कर पुण्य अर्जित किया। दोनों धामों के कपाटोद्घाटन समारोह में प्रतिभाग करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने माँ गंगा एवं यमुना के मंदिरों में शीश नवाया और विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने दोनों धामों में पहुँची लोक देवताओं की डोलियों से भी आशीष प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर चारधाम यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो गया है। उत्तराखंड के चारधाम देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए आस्था के प्रमुख केन्द्र हैं और इन धामों की यात्रा का सौभाग्य प्राप्त करने की आकांक्षा हर श्रद्धालु के मन में रहती है।

- **उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर विशेष पूजा की, खासतौर पर पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से हुई।**

अल्ट्रा साउण्ड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आवेदन मांगे थे। इसमें प्रावधान किया गया कि पहले राउंड में प्रदेश की मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस करने वाले चिकित्सकों और सेवारत डॉक्टरों को शामिल किया जाएगा। वहीं, यदि बाद में सीटें खाली रही तो दूसरे और बाद के राउंड में प्रदेश के बाहर से एमबीबीएस करने वालों को मौका मिलेगा। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि नेशनल मेडिकल कमीशन देश में कहीं से भी एमबीबीएस करने वाले चिकित्सकों को योग्यता के आधार पर एक समान मानता है। ऐसे में कोर्स में प्रवेश के लिए प्रार्थी के साथ जगह के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। पीसीपीएनडीटी नियम, 2014 के तहत, नीट पीजी के अंकों के आधार पर इस कोर्स में प्रवेश देने का प्रावधान है। यह शर्त संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के सिद्धांत का उल्लंघन है। प्रार्थी ने गुजरात से एमबीबीएस किया है और वह नेशनल मेडिकल कमीशन से मान्य है। इसलिए उसे कोर्स की काउंसलिंग में शामिल करें। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से मामले में जवाब पेश करने के लिए समय मांगा गया। इस पर अदालत ने याचिकाकर्ता को प्रथम राउंड की काउंसलिंग में शामिल करने को कहा है।

सेना की मदद के लिए रेल्वे ने किए महत्वपूर्ण बदलाव

रेल्वे ने कई गाड़ियों के रुट बदल दिए, ताकि, आपात स्थिति के लिए ट्रैक को खाली रखा जाए

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सीमा पर उत्पन्न परिस्थितियों में सशस्त्र बलों को रसद आपूर्ति के लिए लाइनें खाली रखने एवं पथ उपलब्ध कराने को लेकर रेलवे में तैयारियां जोरों पर हैं।

रेल भवन में मंगलवार शाम हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में रेलवे एवं सेना के उच्चाधिकारी शामिल हुए। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सीमापार सैन्य कार्रवाई की तैयारियों के बीच सेना ने रसद आपूर्ति, सैन्य साजो सामान एवं सैनिकों के द्रुत गति से परिवहन के लिए रेलवे से लाइनों को खाली रखने एवं मार्ग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे ने प्रमुख सैन्य छावनियों एवं रक्षा उत्पादन इकाइयों से सामरिक बिन्दुओं

- **सेना ने पहलगाम हमले के बाद सीमा पर उत्पन्न हालात को देखते हुए सैनिकों की आवाजाही व रसद आपूर्ति के लिए रेल्वे ट्रैक खाली रखने का आग्रह किया था रेल्वे से।**

तक के मार्ग से केवल आवश्यक गाड़ियों को चलाने, अतिरिक्त या कम महत्वपूर्ण गाड़ियों का रास्ता बदलने का निर्णय लिया है। इसी तरह से अनेक ज़ोनों में कम लोकप्रिय गाड़ियों को रद्द किया गया है और उनके रैक को आपात स्थिति के लिए सुरक्षित किया जा रहा है।

बताया गया है कि रेलवे के दोनों समर्पित मालवहन कॉरीडोर भी सैन्य परिवहन के लिए प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा कंटेनर परिवहन के काम आने वाले मालगाड़ी रैक भी टैंकों एवं बख्तरबंद वाहनों, तोपों एवं गोला बारूद के परिवहन के लिए उपयुक्त रैक एवं कंटेनरों को भी सेना के अधिकारियों के साथ मिल कर जुटाया जा रहा है।

यह भी पता चला है कि गुजरात, राजस्थान, पंजाब एवं जम्मू कश्मीर की सीमा के अलावा बंगलादेश से लगती पश्चिम बंगाल, असम सहित पूर्वोत्तर की लाइनों को भी सैन्य परिवहन के हिसाब से तैयार रखने के निर्देश दिये गये हैं।

पाकिस्तान ने पांचवे दिन भी सीमा पर फायरिंग की

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल। पाकिस्तानी सेना ने लगातार पांचवें दिन मंगलवार रात को भी जम्मू- कश्मीर के नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर सेक्टरों में नियंत्रण रेखा पर बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की।

सेना के प्रवक्ता ने बुधवार सुबह बताया कि इसके अलावा पाकिस्तानी

- **सेना के प्रवक्ता ने बताया कि कश्मीर में एलओसी पर पाकिस्तान की फायरिंग का भरतीय सेना ने करारा जवाब दिया।**

सेना की चौकियों से बारामुला और कुपवाड़ा जिलों में नियंत्रण रेखा के पार से और परगवाल सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार से भी बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई।भारतीय सेना के जवानों ने तेजी से और आनुपातिक रूप से इसका उचित जवाब दिया।

मंगलवार को संघ प्रमुख...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सबक मिले, जिसे वे कभी भूल नहीं सकें।

जातिगत जनगणना की घोषणा पर, राहुल ने कहा कि वे बहुत प्रसन्न हैं कि सरकार ने इसकी घोषणा कर दी। लेकिन अपनी इस जीत पर केवल खुश होने के बजाय, उन्होंने इस जनगणना के लिये आगामी रुपरेखा भी प्रस्तुत कर दी।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना के जातिगत सर्वे के अनुरुप, सर्वे की रुपरेखा तैयार करने में कांग्रेस सरकार की मदद करने के लिये तैयार है, जिससे लोगों से सही एवं सटीक प्रश्न पूछे जायें और उनके सही एवं सटीक उत्तर मिलें, जिससे सही डेटा सामने आये, जिससे लोगों की मदद की जा सके तथा सर्वे उनके लाभ के लिये काम कर सके।

उन्होंने कहा कि सरकार को 50 प्रतिशत आरक्षण के बैरियर को भी तोड़ ही देना चाहिये। यह सीमा ओबीसी, दलितों, आदिवासियों तथा अन्य की उन्नति में बाधा बन गई है।

राहुल ने यह भी कहा है कि सरकार को यह भी सुनिश्चित करना चाहिये कि अनुच्छेद 15 (5) लागू हो गया है या नहीं। यह कानून निजी शैक्षणिक संस्थाओं में आरक्षण का प्रावधान करता है। उन्होंने कहा कि संविधान में यह आधारभूत अधिकार दिया हुआ है, लेकिन यह लागू नहीं हुआ है।

राहुल ने अपना अगला एजेंडा आगे बढ़ा दिया है। उन्होंने सरकार को चेताया है कि उसे जातिगत जनगणना की समय सीमा की घोषणा कर देनी चाहिये। उन्होंने कहा कि यह सर्वे औपचारिक मात्र बन कर न रह जाये, बल्कि पूरी ईमानदारी से तथा सुविचारित तरीके से हो। उन्होंने कहा कि यह सर्वे तेलंगाना मॉडल के अनुरुप हो, बिहार मॉडल के अनुरुप नहीं।

राहुल गांधी ने, जातिगत घोषणा के बाद का, अपना अगला एजेंडा प्रस्तुत कर दिया है तथा यह दिलचस्पी पैदा करने वाला है।

राहुल ने कहा कि उनकी इस प्रश्न में कोई रुचि नहीं है कि यह निर्णय एकाएक क्यों और कैसे लिया गया, बल्कि वे इस बात से प्रसन्न है कि यह निर्णय ले लिया गया है।

'अगली जनगणना" जातिगत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मजबूत होगा, देश प्रगति करेगा।

कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडिया ने पूर्व चुनाव में जातिगत जनगणना को प्रमुख मुद्दा बनाया था। राहुल गांधी ने आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व देने का वादा किया था।

जनगणना की कवायद अप्रैल 2020 में शुरु होनी थी, पर कोविड के कारण शुरु नहीं हो पाई थी।

वैष्णव ने कहा, वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने लोकसभा में आश्वासन दिया था कि जातिगत जनगणना पर मंत्रिमंडल में विचार किया जाएगा। इसके लिए मंत्रियों के एक समूह का गठन भी हुआ था क्योंकि कई दलों ने जातिगत जनगणना करवाने की मांग की थी। लेकिन कांग्रेस सरकार ने सिर्फ एक सर्वेक्षण कराया, जातिगत जनगणना नहीं करवाई। उक्त सर्वे को एसईसीसी के नाम से जाना जाता है।

मंत्री ने कहा, स्पष्ट है कि कांग्रेस और उसका इंडिया गठबंधन, जातिगत जनगणना के मुद्दे को राजनैतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है।

वैष्णव ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 246 के तहत जनगणना एक केन्द्रीय विषय है (संघ सूची में प्रविष्टि 69 के तहत) और केन्द्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है।

कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण किए हैं, कुछ ने यह कार्य अच्छे ढंग से किया जबकि कुछ ने केवल राजनीतिक मकसद से इसे अपारदर्शी तरीके से किया जिससे समाज में संदेह पैदा हुआ।

उन्होंने कहा, "यह दिखाता है कि हमारी सरकार समाज और देश के हितों के लिए प्रतिबद्ध है, जैसे पहले हमने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया था बिना किसी अन्य वर्ग पर बोझ डाले।"

कांग्रेस और लालू यादव की राष्ट्रीय जनता दल ने केन्द्र के इस कदम का श्रेय खुद को दिया है। बिहार में चुनाव नज़दीक हैं और वहाँ की महागठबंधन सरकार ने सबसे पहले जाति सर्वे किया था, उनका मत है कि केन्द्र का यह निर्णय उनके दबाव में लिया गया है।

राजद प्रमुख लालू यादव ने कहा, "जो हम समाजवादियों ने 30 साल पहले सोचा- आरक्षण, जाति जनगणना, समानता, बंधुत्व, धर्मनिरपेक्षता- बाकी लोग उसे दशकों बाद अपनाते हैं।"

उन्होंने कहा, "जाति जनगणना की मांग करने पर हमें "जातिवादी" कहने वालों को करारा जवाब मिला है। अभी बहुत कुछ बाकी है।"

अमेरिका की जीडीपी 0.3 प्रतिशत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आएगा और जब ऐसा होगा तो यह बहुत ऊँचाई तक जाएगा।

हालांकि, शेयर बाजार राष्ट्रपति की बातों से सहमत नहीं लग रहा। प्रमुख बाजार सूचकांकों में तेज गिरावट आई है। डाओ जोंस इण्डैक्स, जो व्यापक आर्थिक क्षेत्रों का मापदंड है, 400 अंक (या एक प्रतिशत) गिर गया।

अन्य दो प्रमुख सूचकांक, एसएंडपी 500 में 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई, और तकनीकी कंपनियों वाले नैसडैक में 2.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट शेयर बाजार की समग्र गिरावट को दर्शाती है। पिछली बार इतनी व्यापक गिरावट 2007 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान देखी गई थी।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था कई मायनों में भारत जैसी है। यहां भी घरेलू उपभोग व्यय (डॉमैस्टिक कंज़म्पशन एक्स्पैन्डिचर) अर्थव्यवस्था की गति तय करता है। जी.डी.पी. आंकड़े उपभोक्ता के विश्वास की स्थिति को दर्शाते हैं। इस वर्ष की पहली तिमाही में उपभोक्ता खर्च में केवल 1.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि इसके पहले के तीन महीनों में यह 4 प्रतिशत थी। यह दर्शाता है कि उपभोक्ता विश्वास किस हद तक आहत हुआ है और डिस्पोज़ेबल इन्कम (खर्च करने योग्य आय) में किस हद तक मंदी देखी जा रही है।

दूसरी ओर, करन्ट अकाउन्ट डैफिसिट (चालू बजट घाटा) भी बढ़ रहा है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मार्च में अमेरिकी माल में यू.एस. ट्रेड डैफिसिट 9.6 प्रतिशत बढ़कर 162 बिलियन डॉलर हो गया, जो फरवरी में 147.8 बिलियन डॉलर था।

यानी अमेरिका अभी भी अपने निर्यात से ज्यादा आयात कर रहा है- यह उस स्थिति के बिल्कुल विपरीत है जो ट्रंप अपने टैरिफ वॉर से हासिल करना चाहते थे। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि कंपनियों ने ट्रंप टैरिफ की आशंका में कई महीनों का माल पहले ही आयात कर लिया है।

एलन मस्क के मार्गदर्शन में ट्रंप प्रशासन की सरकारी खर्च में कटौती की नीति के कारण, सरकारी खर्च और सरकारी नौकरियों मे गिरावट आई है। इसका सीधा असर अमेरिकी उपभोक्ताओं के इस वर्ग की खपत पर पड़ रहा है।

इन प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, डॉनल्ड ट्रंप आत्मविश्वास से भरे नज़र आ रहे हैं और सभी दोष पूर्ववर्ती प्रशासन और उनकी नीतियों पर डाल रहे हैं। फिर भी, ट्रंप ने अमेरिकी जी.डी.पी. में गिरावट पर चर्चा और मूल्यांकन के लिए कैबिनेट बैठक बुलाई है। जाहिर है कि शुरुआती रिपोर्टों से उभरते रुझानों को लेकर प्रशासन में चिंता व्याप्त है।

पहलगाम की घटना ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के क्रियान्वयन के कारण पर्यटन अपनी योजनाएं बदल रहे हैं।

दूसरी ओर, उत्तराखंड जहाँ मसूरी, नैनीताल और ऋषिकेश जैसे प्रमुख हिल स्टेशन है, में बुकिंग तेज़ी से बढ़ी है। अप्रैल 2024 में जहाँ ऑक्युपेंसी 70 प्रतिशत थी, वहीं अप्रैल 2025 में यह बढ़कर 85 प्रतिशत हो गई, यानी 15 प्रतिशत की वृद्धि। खासतौर पर परिवारों और वरिष्ठ नागरिकों ने अब उत्तराखंड को अपनी यात्रा के लिए के रूप में चुना है, जो उन्हें अधिक सुरक्षित और शांतिपूर्ण लग रहा है।

हिमाचल प्रदेश में भी मध्यम स्तर की वृद्धि हुई है, अप्रैल 2024 में 75 प्रतिशत ऑक्युपेंसी थी, जो इस वर्ष 80 प्रतिशत हो गई है, यानी 5 प्रतिशत की वृद्धि। हालांकि, उत्तराखंड जितनी तेजी नहीं दिखी, लेकिन हिमाचल को भी कश्मीर के विकल्प के रूप में चुना जा रहा है।

2024 में दिल्ली, पंजाब और गुजरात के पर्यटकों की कश्मीर पहली पसंद था, लेकिन इस वर्ष रुझान बदला है, महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण भारत से उत्तराखंड और हिमाचल की ओर बढ़ता रुझान देखने को मिल रहा है।

पर्यटन उद्योग के जानकारों का कहना है कि आने वाले 10-15 दिन यह तय करने में महत्वपूर्ण होंगे कि यह केवल अस्थायी प्रतिक्रिया है या एक बड़ा बदलाव है। इस बीच, हिमाचल और उत्तराखंड के राज्य पर्यटन विभागों ने इस प्रवृत्ति का लाभ उठाने के लिए डिजिटल प्रचार-प्रसार बढ़ा दिया है। "शांतिपूर्ण समर गेटवेज़" और "सुरक्षित पारिवारिक हिल हॉलिडे" जैसे नारों के साथ प्रचार कर रहे हैं।

सिलचर से शिलांग के बीच 166 किलोमीटर लंबा गलियारा बनेगा

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की बैठक में यह फैसला किया गया

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल। केन्द्र सरकार ने असम के सिलचर से मेघालय के शिलांग के बीच 22 हजार 864 करोड़ रूपये की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या छह के 166.80 किलोमीटर लंबे गलियारे के हिस्से के विकास , रख रखाव और प्रबंधन के प्रस्ताव को बुधवार को मंजूरी दे दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

इसे हाइब्रिड एन्युटी मोड पर एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जायेगा।

इस परियोजना के तहत मेघालय

- **इस कॉरिडोर के विकास से मेन लैण्ड और गुवाहाटी से त्रिपुरा, मिज़ोरम, मणिपुर और असम के घाटी क्षेत्र से कनैक्टिविटी बढ़ेगी।**

में 144.80 किलोमीटर और असम में 22 किलोमीटर हिस्सा आयेगा। प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर गुवाहाटी से सिलचर तक जाने वाले यातायात के लिए सेवा स्तर में सुधार करेगा। इस कॉरिडोर के विकास से मुख्य भूमि और गुवाहाटी से त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर और असम के बराक घाटी क्षेत्र की कनेक्टिविटी में सुधार होगा और यात्रा की दूरी और यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। यह गलियारा असम और मेघालय के बीच संपर्क में सुधार करेगा और मेघालय में उद्योगों के विकास सहित आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा, क्योंकि यह मेघालय के सीमेंट और कोयला उत्पादन क्षेत्रों से होकर गुजरता है। यह गलियारा गुवाहाटी हवाई अड्डे, शिलांग हवाई अड्डे, सिलचर हवाई अड्डे (मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग-06 के माध्यम से) से आने वाले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को सेवा प्रदान करेगा, जो गुवाहाटी को सिलचर से जोड़ता है।

यह पूर्वोत्तर में पर्यटकों के आकर्षण के सुंदर स्थानों को जोड़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा देगा। यह महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना गुवाहाटी, शिलांग और सिलचर के बीच अंतर-शहर संपर्क में सुधार करेगी, जो री भोई, पूर्वी खासी पहाड़ियों, पश्चिम जैंतिया पहाड़ियों, मेघालय में पूर्वी जैंतिया पहाड़ियों और असम में कछार जिले से होकर गुजरती है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908